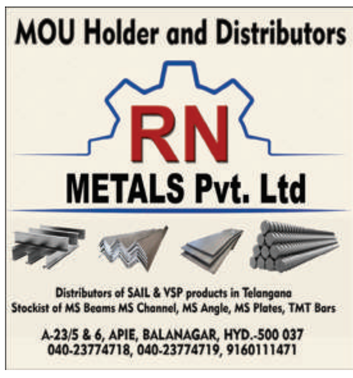


खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-209

# सेहत से खिलवाड़!

## अत्तापुर में बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक, 10 किलो समोसे और 15 किलो पानीपूरी नष्ट

**ओम प्रकाश सिरवी**
**हैदराबाद, 30 जुलाई।**

ठंडे और बारिश के मौसम में लगभग हर व्यक्ति चटपटा भोजन खाने के लिए उत्सुक रहता है। लेकिन बहुत कम लोग यह जानने की कोशिश करते हैं कि जो व्यंजन उनकी थाली तक पहुंच रहे हैं, वे किस प्रकार तैयार किए गए हैं। उनमें कितना पुराना तेल इस्तेमाल हुआ है, कितनी स्वच्छता बरती गई है और खाद्य सुरक्षा के नियमों का पालन किया गया है या नहीं। बाजार में कांच की अलमारियों में सजी पानीपुरी, समोसे और नमकीन देखने में भले ही आकर्षक लगते हों, लेकिन उनकी वास्तविक स्थिति कई बार निरीक्षण के दौरान ही सामने आती है।

ऐसा ही मामला हैदराबाद के अत्तापुर में सामने आया, मामला 29 जुलाई का है, जहां फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में कई गंभीर अनियमितताएं पाई जाने से विभाग के होश उड़ गये !

फूड सेफ्टी हेल्पडेस्क को मिली शिकायत के बाद विभागीय टीम ने प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि प्रतिष्ठान के पास वैध एफएसएसएआई लाइसेंस उपलब्ध नहीं था। जांच में यह भी सामने आया कि लंबे समय से इस्तेमाल किया जा चुका काला पड़ चुका तेल दोबारा गर्म कर खाद्य पदार्थ तैयार किए जा रहे थे। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान देखा कि परिसर में गंदगी फैली हुई थी, मक्खियों का जमावड़ा था, कचरे के उचित निस्तारण और कीट नियंत्रण की व्यवस्था नहीं थी तथा खाद्य सामग्री अस्वच्छ वातावरण में तैयार की जा रही थी।

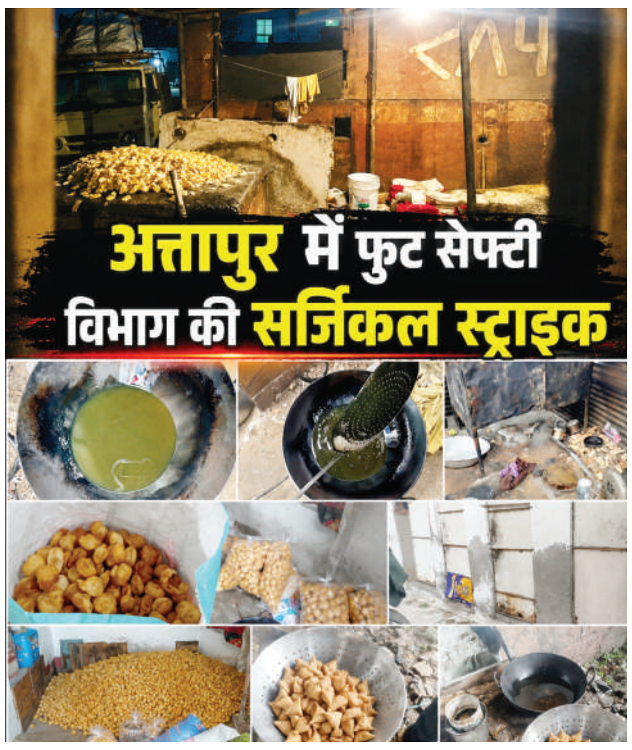


कर्मचारियों के पास दस्ताने, हेड-कैप और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी नहीं पाए गए।

फूड सेफ्टी विभाग के निरीक्षण में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह रहा कि खाद्य पदार्थों के निर्माण स्थल के अत्यंत समीप ही एक खुला बहता नाला था, जिससे लगातार दुर्गंध और प्रदूषण फैल रहा था। निरीक्षण के दौरान नाले के आसपास भारी मात्रा में कचरा बिखरा मिला, जिससे पूरे परिसर की स्वच्छता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। ऐसी परिस्थितियों में खाद्य सामग्री तैयार की जा रही थी, जिससे दूषित होने और खाद्य जनित बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

विभाग ने इन सभी गंभीर अनियमितताओं को फूड सेफ्टी एक्ट-2006 के तहत केस दर्ज करते हुए मौके पर ही कार्रवाई शुरू की।

विभागीय निरीक्षण में सामने आए तथ्यों के आधार पर अधिकारियों ने मौके पर ही लगभग 3,000 पानीपुरी (लगभग 15 किलो), 10 किलोग्राम समोसे और 2 किलोग्राम इस्तेमाल किया हुआ तेल नष्ट कराया। खाद्य पदार्थों के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही प्रतिष्ठान का संचालन तत्काल बंद कराते हुए एफएसएसएआई अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

यह मामला केवल एक प्रतिष्ठान तक सीमित नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विभागीय निरीक्षण में इतनी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, तो यह प्रतिष्ठान इतने लंबे समय तक बिना प्रभावी निगरानी के कैसे संचालित होता रहा? नियमित निरीक्षण, जवाबदेही और सख्त प्रवर्तन ही जनता की थाली को सुरक्षित बना सकते हैं।

**शुभ-लाभ हिंदी मीडिया ग्रुप की विशेष अपील**

स्वास्थ्य से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं। खाद्य पदार्थ हमेशा स्वच्छ और वैध लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों से ही खरीदें। यदि कहीं गंदगी, बासी तेल, मिलावटी या अस्वच्छ भोजन तैयार होता दिखाई दे तो तुरंत फूड सेफ्टी विभाग को इसकी सूचना दें। सुरक्षित भोजन ही स्वस्थ समाज की नींव है।

## नेपाल में हिन्दू-मुस्लिम दंगा

# कई शहरों में कर्फ्यू सेना ने संभाला मोर्चा

**काठमांडू, 30 जुलाई (एजेंसियां)।**

नेपाल के सुनसरी जिले में कांवड़ (बोलबम) यात्रा के दौरान भड़की सांप्रदायिक हिंसा अब देश के कई हिस्सों में फैल गई है। पिछले चार दिनों से जारी हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़, पथराव और पुलिस से झड़प की घटनाओं ने नेपाल की कानून-व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी है। हालात को नियंत्रित करने के लिए छह से अधिक शहरों में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों में नेपाली सेना को तैनात कर हेलिकॉप्टरों से भी निगरानी की जा रही है।

हिंसा में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि गोली लगने सहित विभिन्न घटनाओं में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। घायलों में प्रदर्शनकारी, स्थानीय नागरिक और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। कई स्थानों पर सरकारी और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया है तथा दर्जनों वाहनों और दुकानों में आगजनी की गई।

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सुनसरी जिले और आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न हालात पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने देशवासियों से सदियों से कायम सामाजिक, धार्मिक और जातीय सौहार्द, सहिष्णुता, भाईचारे तथा राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की अपील की है!

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, सुनसरी जिले के देवानगंज में बोलबम यात्रा के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं और स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों के बीच विवाद हो गया।

स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी लगाया गया कि मंदिर की सार्वजनिक भूमि पर मुहर्रम के अवसर पर लगाया गया झंडा हटाने को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद झंडा नहीं हटाया गया, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ता गया।

बताया जा रहा है कि रविवार रात जब उसी मैदान से कांवड़ (बोलबम) यात्रा की शुरुआत हुई, तभी अचानक कांवड़ यात्रियों पर हमला कर दिया गया। इसके बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और पथराव तथा झड़पों की घटनाएं शुरू हो गईं। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

सुनसरी से शुरू हुई हिंसा धीरे-धीरे अन्य शहरों तक फैल गई। सांप्रदायिक तनाव बढ़ने के बाद प्रशासन ने इनरवा, जनकपुर, सिरहा, गोलबाजार, लहान सहित कई शहरों में कर्फ्यू लागू कर दिया।

संवेदनशील क्षेत्रों में नेपाल पुलिस के साथ सशस्त्र पुलिस बल और नेपाली सेना की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। कई इलाकों में सेना ने फ्लैग मार्च किया, जबकि हेलिकॉप्टरों के माध्यम से हवाई निगरानी भी की जा रही है। इंटरनेट सेवाओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है ▶8पर

## लौटते ही हसीना होंगी गिरफ्तार सरेंडर का मौका भी नहीं : बांग्लादेश

**नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।**

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संभावित स्वदेश लौटने को लेकर बांग्लादेश सरकार का रुख और सख्त हो गया है। गुरुवार को बांग्लादेश के कानून मंत्री एम. असदुज्जमां ने कहा कि यदि शेख हसीना भारत से बांग्लादेश लौटती हैं, तो उन्हें अदालत में आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का अवसर मिलने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कानून मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले शेख हसीना ने एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा था कि जान को खतरा होने के बावजूद वह दिसंबर तक अपने देश लौटने के लिए दृढ़ हैं। शेख हसीना ने अपने साक्षात्कार में कहा था, हो सकता है मेरी हत्या कर दी जाए, हो सकता है मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए, हो सकता है मुझे जेल भेज दिया जाए। मुझे अपनी किस्मत का अंदाजा है, लेकिन मैं वापस जाना चाहती हूं क्योंकि मेरे लोग मुझे बुला रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस महीने की शुरुआत में सामने आए कुछ अन्य साक्षात्कारों में भी उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं के साथ वर्ष के अंत तक बांग्लादेश लौटने की संभावना पर चर्चा की थी।

कानून मंत्री एम. असदुज्जमां ने कहा कि 78 वर्षीय शेख हसीना को अपने देश लौटने का अधिकार है, लेकिन कानून के अनुसार उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, यदि वह देश लौटकर कानून का सम्मान करते हुए आत्मसमर्पण करना चाहती हैं, तो भी संभव है कि उन्हें उससे पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाए। कानून हमें जो अधिकार देता है, उसका हम उपयोग करेंगे। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि अंतरिम सरकार द्वारा पासपोर्ट रद्द किए जाने के बाद शेख हसीना बांग्लादेश कैसे लौटेंगी, ▶8पर

## एंटी पेपर लीक बिल पारित

# अब परीक्षा 'नीट'

**नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।**

लोकसभा से पारित होने के बाद एंटी पेपर लीक विधेयक गुरुवार को राज्यसभा से भी ध्वनिमत से पारित हो गया। उच्च सदन में इस विधेयक पर करीब सात घंटे तक विस्तृत चर्चा हुई, जिसका जवाब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दिया। चर्चा के बाद विपक्ष के वॉकआउट के बीच सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। अब राष्ट्रपति की स्वीकृति और अधिसूचना जारी होने के बाद यह विधेयक कानून का रूप ले लेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने विपक्ष के आरोपों का एक-एक कर जवाब देते हुए कहा कि पेपर लीक इस कानून के नाम में ही नहीं है। इसका नाम प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स (पीयूएम) है। उन्होंने कहा कि यह विषय देश के प्रत्येक परिवार और करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत-2047 की परिकल्पना कर रहे हैं और देश के विद्यार्थी इस लक्ष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने 152 पेपर लीक होने का दावा किया, लेकिन उसके समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने एम्स, मेडिकल कॉलेजों और मेडिकल सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट कोटा समाप्त कर मेडिकल शिक्षा को अधिक पारदर्शी और सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाया गया है।

उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विषय चयन की अधिक स्वतंत्रता मिली है तथा उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार हुआ है। आदिवासी क्षेत्रों में 400 एकलव्य विद्यालय स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज भारतीय विद्यार्थियों की वैश्विक स्तर पर पहचान और रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

▶8पर

## खड़गे मर्यादा भूले

### 'शाह छिप नहीं सकते, हम खिंचकर लाएंगे'

**नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।**

राज्यसभा में गुरुवार को एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान उस समय जोरदार हंगामा हो गया, जब कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए तीखी टिप्पणी की। खड़गे के बयान पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया, जिसके बाद सदन में कुछ देर तक तीखी नोकझोंक हुई। विधेयक पर चर्चा के दौरान खड़गे ने छात्रों पर कथित बल प्रयोग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जिससे कई छात्रों के हाथ-पैर टूट गए और अनेक घायल हुए। उन्होंने इसके लिए गृह मंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इसकी जवाबदेही सरकार को लेनी चाहिए। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा-

*पेपर चुराने वाले बचते रहे, मेहनत करने वाले पिटते रहे,*
*ये कैसा न्याय, ये कैसी रीत,*
*गुनहगार हंसते रहे, मासूम सिसकते रहे*

इसके बाद उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई में किसी ▶8पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $29^0$
न्यूनतम : $24^0$

# जंतर-मंतर 2,873 अपराधी! उठा कानूनी और नैतिक सवाल

**नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।**

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 से 25 जुलाई के बीच हुए प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने बड़ा दावा किया है। पुलिस के अनुसार, फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) की सहायता से प्रदर्शनकारी भीड़ में ऐसे 2,873 लोगों की पहचान की गई है, जिनके खिलाफ विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, पहचाने गए लोगों में हत्या के मामलों से जुड़े 101, हत्या के प्रयास के 62, डकैती और लूट के 284, दुष्कर्म के 61, पॉक्सो अधिनियम के छह, आर्म्स एक्ट के 229, स्नैचिंग के 135 तथा अपहरण के 19 मामलों में आरोपित व्यक्ति शामिल हैं। गौरतलब है कि जंतर-मंतर पर यह प्रदर्शन केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने फिलहाल यह दावा नहीं किया है कि आपराधिक रिकॉर्ड वाले ये सभी 2,873 लोग प्रदर्शन के दौरान किसी हिंसा, तोड़फोड़ या उपद्रव में शामिल थे। पुलिस का कहना है कि इस पहलू की जांच की जाएगी और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या किसी प्रदर्शन में ऐसे लोगों की मौजूदगी, जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं, मात्र उसी आधार पर पूरे आंदोलन या भीड़ की प्रकृति तय की जा सकती है? फेस रिकग्निशन सिस्टम एक ऐसी तकनीक है, जिसके माध्यम से किसी स्थान पर मौजूद लोगों के चेहरों का मिलान पुलिस के डेटाबेस में उपलब्ध तस्वीरों और रिकॉर्ड से किया जाता है। ▶8पर

# कल बड़े भाई आज दलाल!

## ओवैसी पर बदले मसूद के सुर

**नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में शामिल सहारनपुर से लोकसभा सांसद इमरान मसूद के राजनीतिक तेवर एक बार फिर चर्चा में हैं। एक माह पहले तक ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को अपना बड़ा भाई बताने वाले इमरान मसूद ने अब उनकी पार्टी के नेताओं पर भाजपा की भाषा बोलने और भाजपा की दलाली करने का आरोप लगाया है। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान इमरान मसूद ने कांवड़ यात्रा को लेकर एआईएमआईएम नेताओं द्वारा उठाए गए सवालों पर नाराजगी जताई। उन्होंने पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि इस प्रकार की फालतू और बेवकूफी भरी बातें नहीं करनी चाहिए। उनका कहना था कि कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालु अपनी आस्था के कारण यात्रा करते हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

**एआईएमआईएम पर भाजपा की भाषा बोलने का आरोप**

इमरान मसूद ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम के नेता भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और उनके बयान भाजपा के नेताओं से मेल खाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान देकर एआईएमआईएम के नेता अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा का ही साथ दे रहे हैं। इमरान मसूद के इस बयान ने राजनीतिक हलकों में ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# व्हाइट हाउस में रखा एयर फोर्स वन का माडल बना आकर्षण का केंद्र

**ट्रंप की शैली और प्राथमिकताओं का प्रतीक**

वाशिंगटन

व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में होने वाली उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान एक छोटा विमान माडल अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। यह दिखने में भले ही एक सजावटी वस्तु जैसा लगे, लेकिन इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष विमान एयर फोर्स वन के नए प्रस्तावित डिजाइन का माडल माना जाता है। यह माडल हाल के वर्षों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली, उनकी प्राथमिकताओं और सार्वजनिक प्रस्तुति का एक प्रमुख प्रतीक बनकर उभरा है।

विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और शीर्ष नेताओं के साथ होने वाली बैठकों की तस्वीरों में यह माडल अक्सर राष्ट्रपति की मेज पर प्रमुख स्थान पर दिखाई देता है। माना जाता है कि इसे जानबूझकर ऐसी जगह रखा जाता है, जहां कैमरों की नजर सबसे पहले पहुंचे। व्हाइट हाउस में आयोजित कई आधिकारिक मुलाकातों की तस्वीरों और वीडियो में यह माडल लगातार दिखाई देता रहा है, जिससे इसकी प्रतीकात्मक अहमियत और बढ़ गई है।

यह माडल उस नए एयर फोर्स वन विमान की अवधारणा को दर्शाता है, जिसके बाहरी रंग और डिजाइन को लेकर लंबे समय से चर्चा होती रही है। ट्रंप ने पारंपरिक हल्के नीले और सफेद रंग की जगह गहरे लाल, सफेद और नीले रंग का संयोजन प्रस्तावित किया था। इस बदलाव को लेकर अमेरिका में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर बहस भी हुई थी। समर्थकों ने इसे आधुनिक और प्रभावशाली डिजाइन बताया, जबकि आलोचकों ने इसे दशकों पुरानी परंपरा से अलग कदम माना।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह माडल केवल विमान का लघु रूप नहीं, बल्कि ट्रंप की ब्रांडिंग रणनीति का भी हिस्सा है। उनका मानना है कि ट्रंप सार्वजनिक मंचों पर प्रतीकों और दृश्य प्रस्तुति का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं। ओवल आफिस में आने वाले विदेशी नेताओं के साथ होने वाली तस्वीरों में इस माडल की मौजूदगी भी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जाती है। एयर फोर्स वन के नए बेड़े को लेकर ट्रंप प्रशासन के दौरान विमान निर्माता कंपनी के साथ लागत और अनुबंध को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई थी। ट्रंप का दावा रहा कि उन्होंने बातचीत के जरिए परियोजना की लागत कम कराई और सरकारी खर्च में बचत सुनिश्चित की। माना जाता है कि विमान का यह माडल उसी पहल और उसके संदेश को भी प्रदर्शित करता है। हाल ही में व्हाइट हाउस के एक वीडियो टूर में ओवल आफिस के भीतर रखे कई विमान माडलों की झलक भी सामने आई। इनमें अमेरिकी नौसेना की प्रसिद्ध एरोबैटिक टीम ब्लू एंजल्स के लड़ाकू विमान का माडल, एफ-35 स्टील्थ फाइटर का माडल और अन्य आधुनिक विमानों की प्रतिकृतियां शामिल थीं। इसके अलावा कार्यालय में आधुनिक विमानन तकनीक से जुड़े अन्य माडल भी प्रदर्शित किए गए हैं, जो अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र की क्षमताओं को दर्शाते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### बॉस को दान कर दी किडनी फिर भी कर्मचारी की चली गई नौकरी, मामला अदालत तक पहुंचा और गोपनीय समझौते के साथ हुआ समाप्त

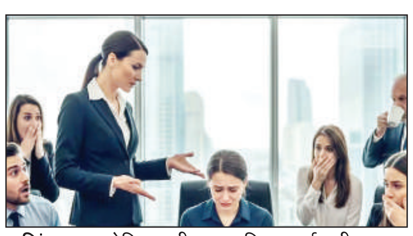

**वाशिंगटन।** अमेरिका की एक महिला कर्मचारी का वर्षों पुराना मामला एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मामला डेबी स्टीवंस नामक कर्मचारी का है, जिन्होंने अपनी वरिष्ठ अधिकारी (बॉस) की मदद के लिए किडनी दान की थी। हालांकि, किडनी दान के कुछ महीनों बाद ही उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। कर्मचारी का आरोप था कि स्वास्थ्य कारणों से छुट्टियां लेने के चलते उनके साथ भेदभाव किया गया। मामला अदालत तक पहुंचा और बाद में दोनों पक्षों के बीच गोपनीय समझौते के साथ समाप्त हुआ। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डेबी स्टीवंस की किडनी उनकी बॉस से सीधे मेल नहीं खा रही थी। इसके बावजूद उन्होंने पेयर्ड किडनी एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया। इस व्यवस्था में दाता अपनी किडनी किसी अन्य उपयुक्त मरीज को दान करता है, जबकि उसके बदले संबंधित मरीज को किसी दूसरे दाता से अनुकूल किडनी मिल जाती है। इस प्रक्रिया के माध्यम से उनकी बॉस का प्रत्यारोपण संभव हो सका। किडनी दान के बाद डेबी को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें उपचार और रिकवरी के लिए कई बार छुट्टी लेनी पड़ी।

### पीओके में जनरल डायर की तरह फायरिंग कर रहा पाकिस्तान, परिवार को लाश तक नहीं दी जा रही

**रावलाकोट।** पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले आठ सप्ताह से जारी आंदोलन के बीच हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। रावलाकोट और मीरपुर समेत कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर निहत्थे नागरिकों पर गोलीबारी करने और बल प्रयोग का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारों, सुशासन और क्षेत्रीय संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार की मांग को लेकर 50 दिनों से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन जारी है। पिछले तीन दिनों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ने और कई स्थानों पर झड़पों के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। पाकिस्तान सेना मरने वालों की लाश भी उनके परिजनों को नहीं दे रही। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद बड़ी संख्या में लोग रावलाकोट में एकत्र हुए, जहां सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। उनका आरोप है कि इस कार्रवाई में हताहतों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक है। वहीं, मीरपुर में भी प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों की कार्रवाई में एक दर्जन से अधिक लोगों के मारे जाने का दावा किया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और पाकिस्तान की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। आंदोलनकारियों ने मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि मृतकों के शव उनके परिजनों को नहीं सौंपे जा रहे और रिश्तेदारों की अनुमति के बिना ही अंतिम संस्कार या दफन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

### लंबे समय से समुद्र में ठहरे जहाजों पर पनप रहे समुद्री जीव

**तेहरान।** अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब लगभग पाँच महीनों से फारस की खाड़ी और स्ट्रेट

आफ होर्मुज में तनाव बनाए हुए है। इस संघर्ष के कारण लगभग पंद्रह सौ जहाज फारस की खाड़ी में अटके हुए हैं, जबकि कई सौ अन्य जहाज पास की ओमान की खाड़ी में फंसे हैं। लंबे समय से समुद्र में ठहरे इन जहाजों पर अब समुद्री जीव पनप रहे हैं, और आशंका है कि जंग के रुकने के बाद आवाजाही शुरू होने पर ये जीव दुनिया के कोने-कोने में पहुँच जाएँगे, जिससे एक बड़ा पारिस्थितिक संकट पैदा हो सकता है। एक नई स्टडी के अनुसार, व्यापार फिर से शुरू होने पर इन जहाजों पर पनप रहे जीव दुनिया भर में फैल सकते हैं। यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड सेंटर फार एनवायर्नमेंटल साइंस और वुड्स होले ओशनोग्राफिक इंस्टीट्यूशन सहित चौबीस समुद्री वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा तैयार की गई इस स्टडी के अनुसार, लंबे समय तक एक ही जगह लंगर डाले रहने के कारण जहाजों के निचले हिस्से पर एल्गी, बार्नकल, मसेल और बिना रीढ़ वाले इनवर्टिब्रेट जीव समुदाय जमा हो जाते हैं, जिसे बायोफाउलिंग कहते हैं। व्यापार के शुरू होते ही ये जीव पूरी दुनिया में पहुँच सकते हैं।

# जार्डन में अमेरिकी बेस पर हमले के बाद ईरान के कई शहरों में भीषण बमबारी

तेहरान/वाशिंगटन

जार्डन में अमेरिकी बेस पर हमला करना ईरान को भारी पड़ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने ईरान में हवाई हमला किया है। कई शहरों में भीषण बमबारी की गई है। सेंटकाम ने पुष्टि की कि ईरान ने जार्डन में उसके सैन्य ठिकाने पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। सभी मिसाइलों को बीच में ही रोककर हमले को नाकाम कर दिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकाम ने कहा कि मिसाइलें ईरानी क्षेत्र से दागी गईं। इसे ईरान का पहला सीधा बैलिस्टिक मिसाइल हमला बताया गया है। यह हमला ऐसे समय पर किया गया, जब अमेरिका ने राजनयिक बातचीत के लिए ईरान के खिलाफ हमला रोक दिया था। जार्डन हमले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्हें कहा कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाकर किए गए हमले का माकूल जवाब दिया जाएगा।

इससे पहले अमेरिकी और सऊदी सेना ने इराक में सक्रिय ईरान समर्थित मिलिशिया गुटों को निशाना बनाते हुए संयुक्त हवाई हमले किए। इस हमले में पापुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस (पीएमएफ) के कम से कम 20 लड़ाके मारे गए। यह संयुक्त सैन्य कार्रवाई तब हुई जब सऊदी अरब ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने देश के पूर्वी प्रांत में मौजूद तेल ठिकानों की ओर भेजे गए कई ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया। सऊदी अरब ने इन हमलों की कोशिश के लिए इराक में मौजूद ईरान-समर्थित सशस्त्र समूहों को जिम्मेदार ठहराया।

यह सैन्य हमले राष्ट्रपति ट्रंप की व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक के ठीक बाद शुरू हुए हैं। दोनों नेताओं के बीच चर्चा मुख्य रूप से ईरान से संबंधित क्षेत्रीय रणनीति पर केंद्रित रही। इस बीच एक ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म ने कहा कि मिस्र के एक बंदरगाह पर ड्रोन हमलों से प्राकृतिक गैस ले जा रहे दो जहाजों में आग लग गई। अमेरिका ने हमले शुरू करने के साथ ईरान के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की है। स्टेट डिपार्टमेंट ने आठ ऐसी संस्थाओं पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की, जिन पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की योजना में शामिल होने का आरोप है। अमेरिकी हमलों के बाद केशम द्वीप, किश, बंदर अब्बास, अबादान और बुशहर में धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरानी मीडिया का कहना है कि इराक में संयुक्त अमेरिकी-सऊदी हमलों में चार ईरानी सलाहकार भी मारे गए। केशम द्वीप पर हमले के बाद कई लोग मलबे के नीचे दब गए। इसकी पुष्टि तस्नीम समाचार एजेंसी ने की है। कई विशेषज्ञों ने कहा कि ईरान के दक्षिण में कई जगहों पर क्रूज मिसाइल से हमला किया गया है। केशम द्वीप में इलेक्ट्रिकल ग्रिड पर मिसाइल हमले के कारण हुई कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति रोक दी गई। तस्नीम के अनुसार, अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने केशम द्वीप के ऊपर उड़ान भरी और द्वीप पर कई जगहों पर मिसाइलें दागीं।

ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, केशम द्वीप में एक रिहायशी इमारत पर अमेरिकी हमले के बाद लोग मलबे में दब गए हैं। होर्मोजगन प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने इसकी पुष्टि की है। तस्नीम के अनुसार, फ़ार्स प्रांत में अमेरिकी सेना ने काजेरून शहर के बाहरी इलाके में एक जगह को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना ने दक्षिण-पश्चिमी खुजेस्तान प्रांत के अहवाज में कई जगहों पर हमले किए हैं। इससे शहर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई। शहर में कम से कम सात जगहों पर हमले हुए हैं।

# परमाणु हथियारों पर जापान में नई बहस: प्रधानमंत्री की चुप्पी और रक्षा मंत्री के बयानों ने बढ़ाई चिंता

टोक्यो

दूसरे विश्व युद्ध में परमाणु बमों का दंश झेल चुके जापान में फिर उसकी परमाणु नीति को लेकर गहन चर्चा शुरू हुई है। इसकी वजह बनी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची का संसद में परमाणु हथियारों को देश में न लाने के नियम पर सीधा जवाब देने से बचना है। उनके इस रुख से जहां विपक्ष ने चिंता जाहिर की है, वहीं देश की तीन दशक पुरानी गैर-परमाणु नीति के भविष्य पर सवाल खड़े हुए हैं।

संसद की बजट समिति की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ताकाइची से स्पष्ट पूछा था कि क्या सरकार भविष्य में भी परमाणु विरोधी रुख पर कायम रहेगी और देश में परमाणु हथियारों को लाने वाली किसी भी नीति का हमेशा विरोध करेगी। इसके जवाब में प्रधानमंत्री ताकाइची ने केवल इतना कहा कि सरकार अभी भी मौजूदा सिद्धांतों का पालन कर रही है, लेकिन भविष्य में इस मुद्दे पर किसी बदलाव की संभावना को लेकर उन्होंने कोई स्पष्टता नहीं दी।

बात दें कि जापान लंबे समय से तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों को मानता रहा है, जिसके तहत वह न परमाणु हथियार रखेगा, न बनाएगा और न ही उन्हें अपने देश में तैनात होने देगा। विपक्षी सांसद तोकोमो तमुरा ने सरकार को हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए विनाशकारी परमाणु हमलों की याद दिलाकर जोर दिया कि जापान को परमाणु हथियारों के खिलाफ एक मजबूत रुख अपनाना चाहिए और वैश्विक परमाणु हथियार प्रतिबंध संधि में शामिल होना चाहिए। इस बीच, जापानी रक्षा मंत्री शिंनजीरो कोइजूमी के बयानों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि जापान को परमाणु हथियारों के मुद्दे पर बिना किसी रोक-टोक के खुलकर चर्चा करनी चाहिए और इस बहस के लिए फ्रांस के परमाणु हथियार कार्यक्रम का उदाहरण दिया।

अगस्त में जापान की दूसरे विश्व युद्ध में हार की वर्षगांठ करीब होने के कारण इन बयानों और परमाणु नीति पर उठी यह बहस काफी अहम मानी जा रही है। हालांकि, जापान सरकार ने अभी तक अपनी आधिकारिक परमाणु नीति में किसी बदलाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के हालिया बयानों ने निश्चित रूप से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भविष्य में जापान इस संवेदनशील मुद्दे पर अपनी ऐतिहासिक स्थिति बदल सकता है।

### नेपाल में दो भारतीय पर्यटकों से डांस क्लब में मारपीट, आरोपित गिरफ्तार

**काठमांडू।** नेपाल पुलिस ने दो भारतीय पर्यटकों के साथ राजधानी काठमांडू के एक डांस क्लब में मारपीट और दुर्व्यवहार करने के आरोप में दो नपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है । पुलिस उपाधीक्षक कौशल कुमार बुढाथोकी के अनुसार, काठमांडू के लाजिमपाट स्थित बालीवुड डांस क्लब से कंचनपुर बेलडांडी निवासी महेश रोकाया और नुवाकोट निवासी सुरेंद्र श्रेष्ठ को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पाया गया कि डांस क्लब के कर्मचारियों ने भारतीय नागरिकों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया। अधिक बिल बनाकर जबरन मोबाइल बैंकिंग के जरिए बिल का भुगतान करवाया । इसके अलावा, आरोपितों ने पुलिस कर्मचारियों के काम में बाधा डाली और उनके साथ हाथापाई भी की।

# एआई पावर्ड माइक्रो ड्रोन मच्छरों का करेगा अंत

वाशिंगटन

अमेरिकी स्टार्टअप टार्नयोल ने एक ऐसा क्रांतिकारी एआई पावर्ड माइक्रो ड्रोन विकसित किया है, जो उड़ते हुए मच्छरों को भी मारकर गिरा सकता है। कंपनी का दावा है कि अगर इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया तो मच्छर नियंत्रण पर आने वाली लागत को 100 गुना तक कम किया जा सकता है, जो एक कमाल की उपलब्धि होगी। कंपनी के सह-संस्थापक एलेक्स टूसेंट ने 14 जुलाई को एक वीडियो जारी किया, जिसमें उनके ड्रोन ने नियंत्रित परीक्षण क्षेत्र में एक उड़ते हुए पतंगे को सफलतापूर्वक मार गिराया।

हालांकि यह एक पतंगा था और मच्छर नहीं, फिर भी यह परीक्षण कंपनी के लिए एक बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है, जो तकनीक की क्षमता को दर्शाता है। टार्नयोल के इन छोटे ड्रोन का वजन मात्र 40 ग्राम है। इनमें स्मार्टफोन माइक्रोफोन, अल्ट्रासोनिक सेंसर्स और एक खास साफ्टवेयर लगाया गया है। ड्रोन अल्ट्रासोनिक पल्स भेजता है और मच्छरों के पंखों से आने वाली विशिष्ट ध्वनि को पहचानकर उन्हें सटीक रूप से लक्षित करता है। यह तकनीक ड्रोन को अन्य कीड़ों से मच्छरों को अलग पहचानने में मदद करती है।

कंपनी के इंजीनियर एलेक्स टूसेंट और क्लोविस पिडालू का लक्ष्य है कि इन ड्रोन के झुंड से पूरे शहरी इलाकों में मच्छरों का सफाया किया जा सके। उनका अनुमान है कि मात्र 10 ड्रोन एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मच्छरों से पूरी तरह मुक्त कर सकते हैं। यह एआई ड्रोन तकनीक कई मायनों में पारंपरिक मच्छर नियंत्रण विधियों से बेहतर साबित हो सकती है। अभी तक मच्छर नियंत्रण के लिए केमिकल स्प्रे, मच्छरदानी और महंगे उपकरणों का इस्तेमाल होता रहा है, जो अक्सर पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे में, यह एआई ड्रोन समाधान सस्ता, अत्यधिक लक्षित और पर्यावरण अनुकूल विकल्प हो सकता है। हालांकि यह अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन अगर यह तकनीक सफल होती है, तो मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियों से लड़ने में एक बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। बता दें कि मानसून आते ही मच्छरों का प्रकोप और उनसे होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या से निपटने लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं।

# साल 2050 तक समुद्र में समा जाएंगे कई तटीय शहर: नासा

वाशिंगटन

**अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन तेजी से तबाही मचा रहा है और 2050 तक दुनिया के कई तटीय शहर समुद्र में समा सकते हैं। अगले 26 सालों में समुद्र का स्तर कम से कम 1 फुट (लगभग 30 सेंटीमीटर) तक बढ़ सकता है। कुछ इलाकों में तो यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा भयानक होगी, जिससे तूफान, बाढ़ और हाई टाइड्स का भयानक जंजाल उठेगा और कई शहरों के नामोनिशान मिटने का खतरा मंडरा रहा है।**

नासा के दशकों पुराने सैटेलाइट डेटा और तटीय गेज रिकार्ड्स के विश्लेषण से पता चला है कि गल्फ कोस्ट पर इसका सबसे ज्यादा असर होने वाला है, जहां समुद्र का स्तर 14 से 18 इंच तक बढ़ सकता है।

न्यू आरलियंस, ह्यूस्टन, टाम्पा और मोबाइल जैसे शहर पहले से ही बाढ़ की चपेट में हैं, और महज 24 साल बाद इनकी सड़कें, घर और बंदरगाह हमेशा पानी में ही डूबे नजर आएंगे। दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में भी औसतन 12 इंच का उछाल आने वाला है, जिससे फ्लोरिडा, जार्जिया और साउथ कैरोलाइना के तटीय इलाके बुरी तरह प्रभावित होकर पानी-पानी हो जाएंगे।

उत्तरी कोस्ट पर नारफोक जैसे शहरों में 10-14 इंच का स्तर बढ़ सकता है, जबकि न्यूयार्क, बोस्टन और मियामी जो पहले से ही हाई टाइड फ्लडिंग से जूझ रहे हैं, उनके लिए 2050 तक स्थिति और खतरनाक हो जाएगी। वेस्ट कोस्ट पर जलस्तर फिर भी कम बढ़ेगा और 4-8 इंच तक रहेगा, लेकिन लास एंजेलिस, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल जैसे शहरों पर भी इसका असर पड़ेगा। इस संकट को और गहरा करने में चंद्रमा की भूमिका भी बढ़ेगी।

2030 के कुछ महीने बीतने के बाद चंद्रमा की कक्षा में एक खास वाबल (डगमगाहट) आएगा, जो हर 18 साल में होता है। खास बात यह होगी कि इस बार यह उच्च ज्वार के साथ आएगा और समुद्र के बढ़े स्तर की वजह से छोटी-छोटी बाढ़ों को भयंकर रूप दे देगा, जिससे सड़कें, घर, एयरपोर्ट और मेट्रो पानी में डूबे रहेंगे।

नासा के सैटेलाइट सेंटिनेल-6 और मशेल फ्रीलिच पिछले 30 साल से समुद्र की ऊंचाई नाप रहे हैं, और उनके डेटा ने पहले ही पुष्टि कर दी है कि समुद्र का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह ग्लोबल वार्मिंग, ग्लेशियरों का पिघलना और महासागरों का गर्म होकर फैलना है। ऐसे में वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं रोका गया तो 2050 के बाद स्थिति और भयावह हो जाएगी। तटीय इलाकों की बर्बादी लाखों लोगों का विस्थापन और अरबों डालर का नुकसान लेकर आएगी, और बुनियादी ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगा।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन-देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। नाते-रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम-संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़-सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

# आज का पंचांग

दिनांक : 31 जुलाई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 10:34 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 07:27 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 11:53 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:06 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 06:38 तक
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:49 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:47 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:40 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:39 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अशून्य शयन व्रत आरंभ , चातुर्मास व्रत वाले मनुष्य को श्रावण मास में हरी सब्जी खाना वर्जित है, पंचक प्रातः 06:38 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

### निजामाबाद में सिखवाल समाज के तत्वावधान में

# श्रृंगी ऋषि गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न

**निजामाबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सिखवाल ब्राह्मण समाज, निजामाबाद के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला श्रृंगी ऋषि गुरु पूर्णिमा महोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। बुधवार, 29 जुलाई 2026 को श्री सत्यनारायण मंदिर एवं श्रृंगी ऋषि भवन में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 9:31 बजे रामगोपाल विधि स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर (सिखवाल भवन) में माननीय श्री घनश्यामदास उपाध्याय के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। इसके पश्चात प्रातः 10:01 बजे गुरुबाबादी रोड स्थित श्रृंगी ऋषि भवन में माननीय श्री सत्यनारायण नागला के करकमलों से ध्वजारोहण किया गया। इसके उपरांत प्रातः 10:31 बजे श्री सत्यनारायण मंदिर में श्रद्धापूर्वक श्री सत्यनारायण कथा एवं हवन का आयोजन हुआ।

मध्याह्न 12:31 बजे पूजा-अर्चना एवं आरती के उपरांत यजमान श्री धनराज भगवान उपाध्याय परिवार की ओर से महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सायं 6 बजे श्री सत्यनारायण मंदिर से श्रृंगी ऋषि जी की भव्य शोभायात्रा संगीत, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक उल्लास के साथ निकाली गई। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने गुरु वंदना की।

शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर समाजजनों एवं संस्थाओं द्वारा श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज युवा मंच द्वारा पुष्पवर्षा एवं शीतल पेय की व्यवस्था की गई।

देवी रोड पर रमेश आशीष नागला परिवार द्वारा शीतल जल सेवा की गई।

मारवाड़ी गली में रामजीवन, जगदीश, घनश्याम एवं सूरजकरण द्वारा गरमा-गरम चाय का वितरण किया गया।

इसी मार्ग पर श्री वल्लभ संदीप सारडा परिवार द्वारा शीतल जल की व्यवस्था की गई।

गौशाला भवन के सामने श्री सत्यनारायण अर्जुन नागला परिवार द्वारा शीतल पेय का वितरण किया गया।

गंज कमान के समीप श्री धनराज भगवान उपाध्याय परिवार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय की सेवा की गई।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर गत दिनों आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं का भी सम्मान किया गया।

पुरुष वर्ग में डॉमिनेटर्स बॉयज टीम विजेता रही, जिसका सम्मान श्री सत्यनारायण नागला एवं श्री जुगलकिशोर पांडे ने ट्रॉफी प्रदान कर किया।

रॉकर बॉयज टीम उपविजेता रही। टीम का सम्मान श्री शंकरलाल व्यास, भगवान नागला एवं विनोद पांडे ने ट्रॉफी देकर किया।

महिला वर्ग में बजरंगी क्वीन टीम विजेता रही, जिसका सम्मान माया उपाध्याय एवं रेशमा उपाध्याय ने ट्रॉफी प्रदान कर किया। वहीं शिवशक्ति टीम उपविजेता रही, जिसका सम्मान कलावती व्यास ने किया।

कार्यक्रम में सिखवाल समाज के अध्यक्ष शंकरलाल व्यास, भगवान नागला, मंत्री घनश्याम उपाध्याय, कोषाध्यक्ष विनोद पांडे, कार्यकारिणी के सभी सदस्यों तथा समाज के वरिष्ठ एवं युवा सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।आयोजन को सफल बनाने में संयोजक जयदेव व्यास तथा सह-संयोजक राघव उपाध्याय, कृष्णा उपाध्याय, ऋषभ व्यास एवं आदित्य का विशेष योगदान रहा। समाज के बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मास

# मुनि कमलेश ने जाति-पांति के भेदभाव पर दिया धर्म संदेश

**मैसूरु, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में चातुर्मास कर रहे कमल मुनि कमलेश ने धर्म संदेश में जाति-पांति के आधार पर भेदभाव को कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि संपूर्ण मानव समाज की रचना समान है, सबके खून का रंग लाल है, और जन्म से किसी को ऊंचा-नीचा नहीं माना जाना चाहिए। मुनि ने विकृत वर्ण व्यवस्था पर चोट करते हुए बताया कि सभी आत्माएं परमात्मा के समान हैं, और जाति के आधार पर भेदभाव करना अन्याय है। उन्होंने कहा कि मनुवादी संस्कृति मानवता को तोड़ने वाली सबसे बड़ी गलत सोच है। 30 जुलाई से 16 अगस्त तक पद्मावती देवी की एकासना आराधना का आयोजन भी किया गया, जिसमें करीब 80 तपसियों ने सामूहिक एकांतर तपस्या की। कौशल मुनि और सक्षम मुनि ने मंगलाचरण किया, जबकि अक्षत मुनि और घनश्याम मुनि ने विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संचालन सचिव बुधमल बाघमार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

**श्रीमाली ब्राह्मण अखाडा गोशामहल में गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। आचार्य मोती गुरु यज्ञ, पूजा-अर्चना, भजन एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजेश करवा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मनीष व्यास, श्रवण व्यास, पवन व्यास, नरेश व्यास, कानु व्यास, लक्ष्मीकांत व्यास, नवीन शर्मा एवं लखन व्यास आदि उपस्थित थे।**

### प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह-2026

# साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के पुरोधाओं का सम्मान आज

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

रिसर्च फाउंडेशन फॉर डिवोशनल लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज़ द्वारा डॉ. बी. आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली के सहयोग से प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह 02026 का आयोजन 31 जुलाई 2026, प्रातः 10:00 बजे डॉ. बी. आर. अंबेडकर कॉलेज, बागलिंगमपल्ली में किया जा रहा है। इस गरिमामय समारोह में साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों एवं साहित्यकारों का सम्मान किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. आर. लिम्बाद्री (पूर्व अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद टीजीसीएचई) होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रदीप कुमार (सेवानिवृत्त), पूर्व प्राचार्य, निज़ाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रो. जी. यादवगिरि (पूर्व संयुक्त निदेशक, कॉलेजिएट शिक्षा), प्रो. चंद्रा मुखर्जी (प्राचार्य, इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला राजकीय डिग्री कॉलेज, नामपल्ली), प्रो. घनश्याम (प्राचार्य, शासकीय डिग्री कॉलेज, चेंदूर, जिला नलगोंडा), प्रो. एम. रत्नाकर (हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय-मानु), प्रो. एम. श्याम राव (अध्यक्ष, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय) तथा डॉ. शेखर (प्राचार्य, डॉ. बी. आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली) अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

**इन विभूतियों को मिलेगा प्रेमचंद साहित्य सम्मान**

समारोह में निम्नलिखित पत्रकार, साहित्यकारों एवं शिक्षाविदों को प्रेमचंद साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। जिनमें -

श्री एच. पी. व्यास संपादक, हिंदी शुभ लाभ दैनिक समाचार पत्र।
प्रो. मजीद बेदार (सेवानिवृत्त) - उर्दू विभाग, उस्मानिया विवि।
डॉ. पोमिला - विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, इफ्लू, हैदराबाद।
डॉ. पार्वती - विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय।
डॉ. गुलेराना - अध्यक्ष, उर्दू विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय।
डॉ. राजेंद्र - विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, गवर्नमेंट सिटी कॉलेज।
डॉ. एच. के. वंदना - विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, एबीवी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जंगांव, काकतिया विश्वविद्यालय।
डॉ. वी. रामकोटी - पूर्व प्राचार्य, अभ्युदय ओरिएंटल कॉलेज।
टी. रामदास - डीसीपी, हैदराबाद सिटी ट्रैफिक पुलिस।
डॉ. वेंकटेश्वर राव - पूर्व एजीएम, केनरा बैंक।
डॉ. पी. माधवी - विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, डॉ. बी. आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली, हैदराबाद।

**गोदान नाटक का होगा विशेष मंचन**

समारोह के अंतर्गत हिंदी के महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद के कालजयी उपन्यास गोदान पर आधारित नाट्य मंचन भी प्रस्तुत किया जाएगा। इस विशेष प्रस्तुति का निर्देशन एवं मंचन प्रो. प्रदीप कुमार तथा डॉ. एच. के. वंदना द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने साहित्य प्रेमियों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से इस गरिमामय समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

# रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने किया रामनगर ब्रिज का निरीक्षण

**मंचेरियाल, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):**

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के मद्देनज़र गुरुवार को पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर के साथ बेल्लमपल्ली नगर के 27वें और 33वें वार्ड के बीच स्थित रामनगर ब्रिज का निरीक्षण किया। पुल पर बाढ़ का पानी तेज़ी से बह रहा था।निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने जल प्रवाह, सुरक्षा व्यवस्था और लोगों की आवाजाही की स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने पुलिस, राजस्व, नगर पालिका अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अंबर किशोर झा ने जनता से अपील की कि वे उफनते हुए नालों, पुलों और जलभराव वाले क्षेत्रों को पार करने से बचें और प्रशासन द्वारा लगाए गए चेतावनी बोर्डों और बैरिकेड्स का सम्मान करें। उन्होंने आपात स्थिति में तुरंत अधिकारियों को सूचना देने और बच्चों की निगरानी रखने की भी सलाह दी।इस निरीक्षण में बेल्लमपल्ली के सब-कलेक्टर, नगर पालिका अध्यक्ष, आयुक्त, तहसीलदार, वार्ड पार्षद, वन टाउन इंस्पेक्टर के. श्रीनिवास राव, ग्रामीण सीआई हनुक सहित कई अधिकारी और पुलिस कर्मी मौजूद थे।

# तीन दिन की बारिश से डोंगली-कुर्ला मुख्य सड़क जलमग्न, यातायात बाधित

**डोंगली, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):** लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण डोंगली मंडल से कुर्ला जाने वाली मुख्य सड़क पर भारी जलभराव हो गया है, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नालों के उफान से सड़क घुटनों तक पानी से भर गई है, मानो नदी बन गई हो। दोपहिया वाहन और कारें धीमी गति से चल रही हैं, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।तेज बारिश के कारण आसपास के खेत भी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। स्थानीय किसानों ने मांग की है कि यहां तुरंत पुल का निर्माण किया जाए, जिससे यातायात सुगम हो और खेतों को जलभराव से बचाया जा सके। स्थानीय लोग सरकारी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

# मानवता की सेवा ही सच्ची पूजा, राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नदान जारी

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मरीजों के परिजनों, जरूरतमंदों एवं राहगीरों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा ही मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म है। निस्वार्थ भाव से किया गया अन्नदान समाज में करुणा, सहयोग और सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर विभिन्न सेवा केंद्रों पर नियमित अन्नदान के माध्यम से मानवता की सेवा का कार्य कर रहा है, जिससे प्रतिदिन अनेक जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे हैं।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया तथा संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प व्यक्त करते हुए समाज के सक्षम लोगों से भी इस पुनीत अभियान से जुड़ने की अपील की।

# सकल मातंग समाज ने भारी बारिश में किया एससी उपवर्गीकरण समर्थन में विशाल मोर्चा

किनवट, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): अनुसूचित जाति आरक्षण उपवर्गीकरण के समर्थन में सकल मातंग समुदाय ने भारी बारिश के बावजूद हदगाव शहर में जन आक्रोश का विशाल मोर्चा निकाला। अन्नाभाऊ साठे चौक से शुरू हुआ यह मोर्चा प्रमुख सड़कों से होते हुए सभास्थल तक पहुंचा, जहां आंदोलनकारियों ने राज्य सरकार से सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का तत्काल अमल करने की मांग की। वक्ताओं ने बताया कि एससी उपवर्गीकरण से वंचित और उपेक्षित वर्गों को न्याय मिलेगा और आरक्षण का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचेगा।

यह आंदोलन किसी जाति या धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि मातंग समाज और अन्य वंचितों के अधिकारों के लिए है।

मोर्चा में पूर्व विधायक नामदेव सासने, गणपत भिसे, मारोती वाडेकर सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित थे। लोक स्वराज्य आंदोलन के प्रा. रामचंद्र भरांडे ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 1 अगस्त से राज्य मंत्रियों को बिना अनुमति घूमने की इजाजत नहीं दी जाएगी।आंदोलनकारियों ने ध्वज, महापुरुषों की प्रतिमाएं और नारे लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे।

# यदि हो गए हों पाप तो ऐसे करें पुण्य अर्जित

**फाल्गुन** शुक्ल एकादशी को आने वाली एकादशी को आमलकी एकादशी कहते हैं। इस वर्ष यह एकादशी 19 मार्च शनिवार के दिन है। इस दिन आंवले के वृक्ष के पास बैठ कर भगवान का पूजन किया जाता है।

**व्रत की कथा**

एक बार एक राजा के राज्य में रात भर भूखा-प्यासा बैठा रहा। उस दिन फाल्गुन शुक्ल एकादशी थी। इस प्रकार अनजाने में ही उसने आमलकी एकादशी का व्रत रख लिया। रात्रि जागरण करने के कारण उसे अनजाने में ही इस व्रत का फल मिल गया। दूसरे जन्म में वह एख बडे राज्य का अधिकारी बना। इसलिए लोग इस व्रत को करते हैं ताकि उनके पुनर्जन्म में वह और भी अधिक प्रभावशाली बन पाएं। दरअसल इस व्रत को करने से इस जन्म में किए पाप से मुक्ति मिल जाती है। और इंसान अगले जन्म में वैभव, सुख शांति के साथ जीताहै।

गोस्वामी तुलसीदास भी सत्संगति के महत्व को इस कथन में स्पष्ट करते हैं। एक घड आधी घडी, आधी की पुनि आध। तुलसी संगत साधु की, कटै कोटि अपराध।।

# किस तरह मनी प्लांट अगर शुभ है तो अशुभ भी

**मनी प्लांट** यानि धन का पौधा। यह जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ है। मनी प्लांट जैसा कि नाम से ही जाहिर है मनी प्लांट यानि धन का पौधा। यह पौधा जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ माना जाता है। भूमि पर फैलकर वृद्धि करने वाली बेल दोषकारक होती है।

वैसे तो घर में रखने के लिए आपको पॉम लीव्स, बोनसाई जैसे कई इंडोर प्लांट मिल जाएँगे, लेकिन कम खर्च और अच्छी ग्रोथ के कारण जो रंग मनी प्लांट आपके घर में भरता है, वह किसी अन्य इंडोर प्लांट से संभव नहीं। इस प्लांट को लेकर लोगों के मन में कई तरह की धारणाएँ हैं, जैसे- इस पौधे को घर में लगाने से घर में पैसा आता है, तो कुछ का मानना है कि इस पौधे को लगाने से घरवालों की तरक्की होती है।

उसी मान्यता है कि जिसके घर में मनी प्लांट का पौधा लगा होता है उसके उसके घर में न केवल सुख-समृद्धि में इजाफा होता है बल्कि घर में धन का भी आगमन होता है। इसी वजह से कुछ लोग घरों में मनी प्लांट का पौधा लगाते हैं। लेकिन कई बार मनी प्लांट लगाने के बावजूद भी धनागमन में कई अंतर नहीं होता बल्कि और आर्थिक नुकसान उठाना पडता है। इसका कारण हे गलत दिशा। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर पौधे के लिए एक दिशा निर्धारित होती है। यदि पौधे को उचित दिशा में लगाया गया तो वह सकारात्मक प्रभाव डालता है वहीँ, यदि उसके उस पौधे का गलत स्थिति में वृक्षारोपण किया गया तो वह नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है।

वास्तु के अनुसार, यदि सही दिशा और सही जगह में मनी प्लांट का पौधा नहीं लगाया गया तो धनलाभ के बजाय हानि का सामना करना पडता है। वास्तु शास्त्रीयों का मानना है कि मनी प्लांट के पौधे के घर में लगाने के लिए आग्नेय दिशा सबसे उचित दिशा है। इस दिशा में यह पौधा लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का भी लाभ मिलता है। मनी प्लांट को आग्नेय यानि दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाने का कारण ये है इस दिशा के देवता गणेशजी है जबकि प्रतिनिधि शुक्र हैं। गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं जबकि शुक्र सुख-समृद्धि लाने वाले। यही नहीं बल्कि बेल और लता का कारण शुक्र को माना गया है। इसलिए मनी प्लांट को आग्नेय दिशा में लगाना उचित माना गया है। मनी प्लांट को कभी भी ईशान यानि उत्तर पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए, यह दिशा इसके लिए सबसे नकारात्मक मानी गई है। क्योंकि ईशान दिशा का प्रतिनिधि देवगुरू बृहस्पति को माना गया है। और शक्र तथा बृहस्पति में शत्रुवत संबंध होता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का लगाया जा सकता है। घरों का सुंदरता बढाने के लिये मनी प्लांट्स लगाए जाते हैं। ये शुक्र के कारक हैं। मनी प्लांट लगाने से पति-पत्नी के संबंध मधुर होते हैं। फँगशुई के अनुसार बांस के पौधे सुख व समृद्धि के प्रतीक होते हैं मनी प्लांट की सबसे बडी खासियत यह है कि घर हो या आँगन यह प्लांट कहीं भी आसानी से लग जाता है। साथ ही यह केवल पानी में भी लगाया जा सकता है और इसके रखरखाव के लिए भी ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पडती है। इसे घर के अंदर व बाहर दोनों जगह ही रखा जा सकता है।

> मनी प्लांट यानि धन का पोधा। यह जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ है। यह पौधा जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ माना जाता है।

मनी प्लांट ऐसी जगह रखें जहां अधिक धूप ना हो। इसे घर में भी रखा जा सकता है। पानी में रखना बेहतर होता है लेकिन इस पानी को हर सप्ताह बदल देना चाहिए। जमीन पर इसकी बेलों को नहीं फैलाना चाहिए। मनी प्लांट को घर के अंदर गमले में अथवा बोतल में पानी भरकर भी लगाया जा सकता है। इससे सुख-समृद्धि प्रदान करने वाले सकारात्मक उर्जा को आकर्षित किया जा सकता है। जिस कोने में यह होता है उसकी ओर बरबस ही निगाहें चली जाती हैं।

आप चाहें तो इसकी इन सुनहरी पत्तियों को काँट-छाँट कर इसे और भी आकर्षक बना सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि घर में मनीप्लांट लगाने पर सुख-समृद्धि के साथ धन का आगमन बढता है। इसी के चलते लोग अपने घरों में यह पौधा लगाते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा घर में उचित दिशा में नहीं लगाया गया है तो आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाया जा सकता है।

# मनोकामनाएं सिद्ध करने हेतु विशेष गणेश मन्त्र

भगवान गणेश जी देवताओं में सबसे पहले पूजे जाते है। उनकी उपासना बहुत ही सरल है और वह अपने भक्तो पर अति शीघ्र प्रसन्न हो जाते है। शास्त्रों में अलग अलग मनोकामनाओ के लिए गणेश जी के कई सिद्ध मन्त्र दिए हुए है । जिनका यदि पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के जाप किया जाय तो शीघ्र ही अभीष्ट लाभ की प्राप्ति होती है । गणेश उत्सव के इन 10 दिनों में अपनी मनोकामनाओं को सिद्ध करने हेतु कार्यविशेष के मंत्रो का जाप करना विशेष फलदायी रहता है ।

# गणेशजी के इन नामों व इन मंत्रो कै जाप से किसी भी प्रकार के कार्यो की अडचने दूर हो जाती है

> भगवान गणेश के अति शुभ बारह नामों का नित्य स्मरण करने वाले व्यक्ति को जीवन में किसी भी प्रकार के संकटों का सामना नहीं करना पडता है । विद्या अध्ययन, विवाह के समय, यात्रा , रोजगार के शुभारम्भ में या अन्य किसी भी शुभ कार्य को करते समय गणेश के बारह नाम लेने से कार्यो की अडचने दूर हो जाती है।

**विद्या अध्ययन,** विवाह के समय, यात्रा , रोजगार शुभारम्भ या अन्य किसी भी शुभ कार्य को करते समय गणेश के बारह नाम लेने से कार्यो की अडचने दूर होती है। भगवान गणेश के बारह नामों का यह पाठ संकटनाशक स्तोत्र के नाम से भी जाना जाता है। इस मंत्र स्तोत्र के चमत्कारी 12 श्रीगणेश नाम स्मरण से पहले भगवान गणेश की पूजा जरूर करें - प्रणम्यं शिरसां देवं गौरीपुत्र विनायकम।

## भगवान गणपति के 12 नाम निम्नलिखित है

1- सुमुख -- अर्थात सुन्दर मुख वाले,
2- एकदन्त -- अर्थात एक दांत वाले,
3- कपिल -- अर्थात कपिल वर्ण के,
4- गजकर्ण -- अर्थात हाथी के कान वाले,
5- लम्बोदर -- अर्थात लम्बे पेट वाले,
6- विकट -- अर्थात विपत्ति का नाश करने वाले,
7- विनायक -- अर्थात न्याय करने वाले,
8- धूम्रकेतु -- अर्थात धुये के रंग वाली पताका वाले,
9- गणाध्यक्ष -- अर्थात गुणों के अध्यक्ष,
10- भालचन्द्र -- अर्थात मस्तक में चन्द्रमा धारण करने वाले,
11- गजानन -- अर्थात हाथी के समान मुख वाले,
12- विघ्ननाशन -- अर्थात विघ्नों को हरने वाले,

**ऋण से मुक्ति के लिए**

''ऊँ गणेश ऋणं छिन्धि वरणयं हुं नमः फट''

इस मन्त्र की एक माला का नित्य जाप करें।

**संकट नाश के लिए**

''ऊँ नमो हेरम्ब मदमोहित मम संकटान निवारय स्वाहा''

इस मन्त्र की 1 माला का नित्य जाप करें।

**वशीकरण के लिए**

''ऊँ श्रीं गं सौम्याय गणपते वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा''

निम्न मन्त्र की 5 माला का जाप करें।

आलस्य, निराशा, कलह व विपत्ति नाश के लिए

''गं क्षिप्रप्रसादनाय नमः''

मन्त्र की कम से 2 माला का जाप करें।

**धन व आत्मबल प्राप्ति के लिए**

''ऊँ गं नमः''

निम्न मन्त्र की एक माला का नित्य जाप करें।

आर्थिक समृद्धि व रोजगार प्राप्ति के लिए

''ऊँ श्रीं गं सौभ्याय गणपते वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा''

इस मंत्र की एक माला का नित्य जाप करें।

सभी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिये

''गं गणपते नमः''

इस मंत्र की एक माला का नित्य जाप करें।

# सुबह उठते ही सबसे पहले क्या और क्यों देखें

> प्रतिदिन सुबह-सुबह हमारा एक प्रश्न होता है कि हमारा दिन कैसा रहेगा दिन को अच्छा बनाने के लिए सभी कुछ न कुछ धर्म-कर्म अवश्य ही करते हैं। सभी चाहते हैं कि उनका नया दिन शुभ रहे, खुशियां देने वाला हो, दुख दूर करने वाला हो और सफलताएं दिलाने वाला हो।

**शास्त्रों** के अनुसार एक सटीक उपाय बताया गया है जिससे हमारा पूरा दिन श्रेष्ठ बनता है और सभी दुख-क्लेश दूर होते हैं। सुबह उठते ही सबसे पहले क्या करना चाहिए कि हमारा पूरा दिन अच्छा रहे और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहे। कई लोग भगवान के दर्शन करते हैं तो कुछ अपने घर के सदस्यों का चेहरा देखते हैं लेकिन बिस्तर छोडने से पहले हमें हमारे हाथों के दर्शन करने चाहिए। कुछ लोग सोचते हैं कि हाथों के दर्शन से क्या होगा।

तो इस प्रश्न का उत्तर यह है कि धर्म ग्रंथों और ऋषि-मुनियों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि हमारे हाथों की हथेलियों में दैवीय शक्तियां निवास करती हैं। इसी वजह से हमें सुबह उठते ही सबसे पहले अपने हाथों की हथेलियों के दर्शन करने चाहिए। दोनों हाथों को मिलाकर उसके दर्शन करके ही बिस्तर छोडना चाहिए। हमारे हाथ के आगे के हिस्से में (अंगुलियों की ओर) लक्ष्मी, मध्य भाग में सरस्वती और नीचले भाग में नारायण यानी विष्णु का वास होता है। प्रातः हाथों के दर्शन से ही तीनों दिव्य शक्तियों के दर्शन का पुण्य मिलता है।

सुबह हथेलियों का दर्शन करने के पीछे यही संदेश है कि हम परमात्मा से अपने कर्मों में पवित्रता और शक्ति की कामना करते हैं। संसार का सारा वैभव, शिक्षा, पराक्रम हमें हाथों के जरिए ही मिलता है। इसलिए हाथों में लक्ष्मी, सरस्वती और विष्णु तीनों का वास माना गया है। कहते हैं दिन की शुरुआत अच्छी हो तो पूरा दिन अच्छा बीतता है। इसके लिए जरुरी है कि सुबह उठकर ऐसे काम करें जो आपको उत्साहित और उर्जावान बनाए रखे। न कि ऐसी गलती कर बैठें कि पूरा दिन तनाव और परेशानी में बीते।

**हथेली को देखें-**

हथेली को देखें, शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को अपना दिन बेहतरीन बनाने के लिए सुबह उठकर सबसे पहले अपना हाथ देखना चाहिए। हाथ ही कर्म करता है और भाग्य को बदलने की क्षमता रखता है।

**आखिर क्यों देखें हथेली-**

आखिर क्यों देखें हथेली, कहा जाता है कराग्रे वसति लक्ष्मीः, कर मध्ये सरस्वती। करमूले तू गोविन्दः, प्रभाते कर दर्शनम। यानी हथेली में लक्ष्मी, सरस्वती और गोविंद का वास है। इनके दर्शन से पूरा दिन अच्छा रहता है।

**मन्त्र का ध्यान**

मन्त्र का ध्यान, हथेली देखते हुए इस मंत्र का ध्यान भी करना चाहिए, ताकि आपके मन में लक्ष्मी, सरस्वती और गोविंद की छवि बने।

**सबसे पहले किसे छूयें-**

सबसे पहले किसे छूयें, बिछावना से उतरते समय पांव सीधे जमीन पर में नहीं रखना चाहिए। धरती को माता के समान आदरणीय कहा गया है इसलिए सबसे पहले धरती का स्पर्श करके हथेली को माथे से लगाएं।

**ऊर्जा का संचार-**

ऊर्जा का संचार, ऐसे करने से तन मन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। अपने कार्य में आप बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

# घर में समृद्धि लाएंगे ये उपाय

> कडी मेहनत और प्रयासों के बावजूद जब समृद्धि आपसे दूर रहती है तो अपने घर के वास्तु पर ध्यान देना चाहिए। यह संभावित है कि आपकी समृद्धि की राह की रुकावट के लिए घर का वास्तु जिम्मेदार हो। अगर घर में वास्तु दोष है तो आप कुछ आसान उपायों के जरिए उन्हें दूर करके संपन्नता की राह की रुकावट को दूर कर सकते हैं।

**तिजोरी की दिशा :**

अपने घर में तिजोरी को हमेशा दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दीवार के करीब या इस दीवार की अलमारी में रखना चाहिए। इस दिशा में तिजोरी होगी तो वह हमेशा उत्तर दिशा में खुलेगी। उत्तर भगवान कुबेर की दिशा है और उस दिशा में तिजोरी खुलने का अर्थ यही है कि धन के देव कुबेर उसे भरते रहेंगे। तिजोरी या धन की अलमारी को किसी भी अन्य दिशा में रखने से बचें।

**तिजोरी बीम के नीचे न हो:**

किसी भी हाल में धन या तिजोरी बीम के नीचे न हो। ऐसी स्थिति में तिजोरी रखने पर घर में सदैव आर्थिक संकट बना रहता है और बिजनेस में भी नुकसान की आशंका आप पर मंडराती रहती है।

**तिजोरी के सामने आईना :**

धन को बढाने के लिए किए जाने वाले उपायों में यह भी एक उपाय है। जब भी कांच में आप धन को देखते हैं तो वह आपको हमेशा दुगुना नजर आएगा। यह आपकी सकारात्मकता को बढाने का एक उपाय है जो बहुत कारगर है।

**उत्तर-पूर्व दिशा में स्वच्छता:**

यूं तो पूरे घर में ही सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए ताकि समृद्धि आपके घर में प्रवेश कर सके लेकिन फिर उत्तर-पूर्व दिशा में किसी भी तरह का कचरा न हो इस बात का ख्याल रहे। इस हिस्से में सीढियों के निर्माण से भी बचना चाहिए। उत्तर-पूर्व कोने में मशीनरी जैसी भारी चीजें रखने से बचना चाहिए।

**उत्तर-पूर्व में ऊंची इमारत न हो :**

अपने घर या प्लॉट के उत्तर-पूर्व दिशा में कोई ऊंची इमारत या मंदिर वगैरह के होने को टालना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो धन का नुकसान होता है। अगर ऐसी स्थिति हो तो भी इसका तो बहुत ही ध्यान रखें कि उनकी छाया आपके घर या प्लॉट न गिरे।

**गोलाई से बचें :**

उत्तर-पूर्व कोने में घुमावदार दीवार के निर्माण से बचना चाहिए। इस दिशा में अगर बाउंड्री वॉल भी बनवा रहे हैं तो उसमें गोलाई न हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। उसे सही कोण पर मोड देने के बारे में सतर्क रहें।

**छत की ढलान की दिशा:**

छत में हमेशा ढलान दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व की तरफहोना चाहिए। घर बनाते समय इस बात का ध्यान रहे कि छत का उत्तर-पश्चिम हिस्सा थोड सा ऊंचा हो।

# स्त्री शक्ति है 'यिन' और 'यांग' ?

> चीनी फेंगशुई के अनुसार, यिन और यांग शक्ति सृष्टि में शांति स्थापित करने के लिए होती हैं। ये एक दूसरे की पूरक होती हैं। लेकिन कभी-कभी ये एक दूसरे की विरोधी भी हो सकती हैं। इनमें एक के बिना दूसरे के अस्तिव नहीं हैं।

**'यिन'** स्त्री शक्ति है जो अंधकारमय और एवं निष्क्रिय होती है। 'यांग' पुरुष शक्ति है जो प्रकाशमय और सक्रिय है।

यह दोनों ठीक वैसे ही हैं जैसे अंधकार में प्रकाश का होना। जैसे जीवन है तो मृत्यु होगी ठीक उसी तरह यिन और यांग शक्तियां एक दूसरे की पूरक हैं।

यिन और यांग के संतुलन से ही सृष्टि में एकरसता होती है। उदाहरण के लिए सूर्य की तेज रोशनी यांग होती है। लेकिन इसे परदे लगाकर कम किया जाए या संतुलित किया जा सकता है।

**ये हैं यिन शक्तियां**

पृथ्वी, चंद्रमा, रात, अंधकार, नीचे, ठंडा, मुलायम, निष्क्रिय, पानी, पीछे, पुत्री और मां।

**ये हैं यांग शक्तियां**

आकाश, सूर्य, दिन, प्रकाश, ऊपर, गरम, कठोर, पिता, पुत्र, आगे, आग और सक्रिय।

## बॉडीबिल्डिंग के लिए आहार

बॉडी बिल्डिंग में मांसपेशियों का आकार बढ़ाया जाता है। बॉडी बिल्डिंग करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उन्हें कार्बोहाइड्रेट भी लेना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो प्रोटीन शरीर को ऊर्जा देने में इस्तेमाल होगा। और इससे उन्हें शरीर बनाने में अधिक वक्त लगेगा। आपको अपने शरीर के वजन के हर किलो के लिए 1.5 से 2 ग्राम तक प्रोटीन लेने की जरूरत होती है।

## मलेरिया से बचा सकती हैं मुर्गियां

एक रिसर्च में पता चला है कि मुर्गियां मच्छरों के आतंक से निजात दिला सकती हैं। दरअसल उनसे ऐसी गंध निकलती है जो मच्छरों को दूर रखती है। लोगों को लगता है कि मच्छरों को सिर्फ खून से मतलब होता है, पर ऐसा नहीं है। मच्छरों को भी अच्छे खून और खराब खून में अंतर पता होता है। वे इसे अपनी गंध पहचानने की क्षमता से जान लेते हैं। इसी वजह से मुर्गियां मच्छरों को दूर करने में मददगार होती हैं।

# घातक हो सकता है बैड टी का सेवन

**अधिकांश** लोग सुबह बिना ब्रश किए बिस्तर पर ही चाय ले लेते हैं। वैसे इसे फैशन का पर्याय माना जाता है किन्तु लोग यह नहीं जानते कि बैड टी हमारी सेहत को कितना नुकसान पहुंचाती है। रात को भोजन के दौरान हमारे दांतों में भोजन के कई कण फंस जाते हैं, जो सुबह होने तक सड़ जाते हैं और इससे हमारे मुंह में बहुत बड़ी संख्या में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं।

यदि हम सुबह बिना कुल्ला किए चाय पीते हैं तो ये बैक्टीरिया चाय के साथ हमारे पेट में चले जाते हैं, जो कई रोगों को पैदा करते हैं। रातभर मुंह में एकत्र हुई गंदगी जब सुबह बैड टी के साथ पेट में पहुंचती है तो यह पेट संबंधी कई बीमारियां पैदा करती है।

इससे पेट में घाव हो जाते हैं, जिस कारण व्यक्ति के पेट में तेज दर्द होने के साथ उल्टियां भी आने लगती है। रात के समय पेट में अम्ल बनने की क्रिया अधिक तेज हो जाती है,जो शरीर के लिएहानिकारक है। यह क्रिया छाती में जलन, आमाशय मेंसूजन आदि अनेक बीमारियों को जन्मदेती है।

### स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

धीरे-धीरे एसिडिटी रोग शरीर पर अपना प्रभाव बना लेता है। बेड टी से कब्ज होना आम बात है। कब्ज अपने साथ कई अन्य बीमारियां भी पैदा करती है,जैसे जिगर की खराबी, सिर में दर्द मानसिक परेशानियां व सांसका दुर्गन्धियुक्य होना। खाली पेट चाय पीने से गर्भवती महिलाओं को गर्भपात भी हो सकता है। यह पाचन क्रिया को कमजोर करती है। भूख न लगना, खाने के प्रति अरूचि आदि अनेक समस्याएं बैड टी से ही पैदा होती है। अतः सुबह उठते ही चाय पीने से बेहतर होगा कि आप दो गिलास ताजा पानी पीएं। इससे आपकी कब्ज की शिकायत दूर होकर पेट साफ होगा। बिना कुल्ला किए चाय पीना हर तरह से नुकसानदेह है, इसलिए सदैव ब्रश करने के बाद ही चाय पीएं।

# साइटोमेग्लो वायरस से बच्चों में हो सकता है अंधापन

**साइटोमेग्लो** वायरस महिला, पुरुष या बच्चे को किसी भी उम्र में संक्रमित कर सकता है। इसके ज्यादातर मामले बच्चों में पाए जाते हैं जिसे कॉन्जिनाइटल साइटोमेग्लो वायरस इंफेक्शन कहते हैं।

यह इंफेक्शन संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। जिसका जरिया ब्लड, यूरिन, शुक्राणु या ब्रेस्ट मिल्क हो सकते हैं। ऐसे में ब्लड ट्रांसफ्यूजन, ऑर्गन ट्रांसप्लांट के दौरान यह वायरस फैलता है।

### इसका इलाज व बचाव

#### जटिलता समझें

- गर्भावस्था में इस वायरस से प्रभावित होने पर पहले तीन माह में गर्भस्थ शिशु को इसका खतरा ज्यादा रहता है।
- जन्म के बाद इसका पता चलता है। गर्भ में यदि बच्चे के दिमाग, आंख या कान पर यह वायरस असर करे तो उसका शारीरिक विकास नहीं होता।
- जिससे उसमें पीलिया, निमोनिया, त्वचा पर दाने, दौरे आना, लिवर बढ़ने, वजन घटने, सिर का आकार छोटा होने जैसी दिक्कतों की आशंका हो सकती हैं।
- कई बार उम्र के बढ़ने पर इसके लक्षण दिखते हैं। जैसे सुनाई न देना, दिखने में परेशानी या अंधापन व दिमागी कमजोरी आदि।

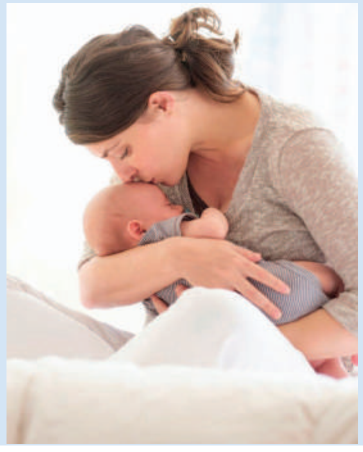

#### जानें लक्षण

- यह वायरस रक्त के जरिए शरीर के प्रमुख अंगों को प्रभावित करता है।
- सामान्यत: यह वायरस खुद-ब-खुद 5-7 दिन में खत्म हो जाता है लेकिन एड्स, ट्रांसप्लांटेशन, ऑर्गन डोनेशन, नवजात या ऐसे व्यक्ति जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनमें इस वायरस के कारण जटिलताएं बढ़ जाती हैं। उनमें यह रक्त के जरिए शरीर में फैलकर खासकर आंख, दिमाग, फेफड़े और लिवर को नुकसान पहुंचाता है।
- जिस कारण बुखार, डायरिया, सांस लेने में तकलीफ, देखने में परेशानी, फेफड़ों में संक्रमण, रेटिनाइटिस (आंख के रेटिना में सूजन), थकान, गले में सूजन व दर्द और मांसपेशियों में दर्द होने जैसे लक्षण सामने आते हैं।
- वायरस से बचाव ही रोग की आशंका को घटाता है।
- हाइजीन और साफ-सफाई को ध्यान में रखना जरूरी है। साथ ही यदि परिवार में कोई सदस्य इस वायरस से पीड़ित हो तो अन्य को सावधानी बरतनी चाहिए।

#### एंटीवायरल दवाएं कारगर

आमतौर पर यह बीमारी बच्चों या बड़ों दोनों में कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। लेकिन जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें वायरस के तेजी से फैलने पर दिमाग, आंख और कान प्रभावित होते हैं। इस वजह से मरीज की हालत गंभीर होने लगती है। इसके लिए एंटीवायरल दवाओं का कोर्स शुरू कर इलाज किया जाता है। इससे वायरस के विकास को रोका जाता है।
साफ-सफाई रखना जरूरी

# रात की सर्जरी बढ़ाती है मौत की आशंका

**रात** में की गई सर्जरी से मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। हाल ही में आए अध्ययन के परिणाम के अनुसार दावा किया गया है कि रेग्युलर वर्किंग समय के दौरान किए गए ऑपरेशन या सर्जरी की तुलना में रात में की गई सर्जरी या ऑपरेशन में मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। मतलब जिन मरीजों का ऑपरेशन या सर्जरी रात में दिन में या वर्किंग समय में ना होकर रात में किया जाता है उनके मरने की संभावना दोगुनी होती है। यहां तक की देर शाम में भी होने वाली सर्जरी में मॉर्टिलीटी रिस्क का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में पिछले 5 सालों में हुए सारे सर्जरी के आंकड़ों को शामिल किया गया है। अध्ययन में 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2015 के सर्जिकल आंकड़ों को लिया गया है। सबसे पहले इसमें सभी तरह के सर्जीकल इंटरवेंशन को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में ऑप्थाल्मिक और लोकल एंथेसेसिया के केस को छोड़कर अन्य सभी तरह के वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जिकल केसेस को शामिल किया गया है। जिसमें काम करने के घंटों को तीन ब्लॉक में बांट गया। पहले ब्लॉक में सुबह के 7 बजे से लेकर दिन के 3:29 बजे तक के समय को रखा गया। दूसरे ब्लॉक में शाम के 3:30 से रात के 11:29 बजे तक के समय को रखा गया और अंतिम ब्लॉक में रात 11:30 बजे से लेकर सुबह 7:29 बजे तक के समय को रखा गया।

इन ब्लॉक में शुरू हुए ऑपरेशन के समय पर नर्सों ने नजर रखी कि कब ऑपरेशन शुरू हुआ और कब खत्म हुआ। इस अध्ययन में 41,716 वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जरीज को शामिल की गई। इन मामलों में से 10,480 केस इमरजेंसी के थे जिसमें से 3,445 मामलों की सर्जरी पहले ब्लॉक के समय में, 4,951 मामलों की सर्जरी दूसरे ब्लॉक के समय में और 2,084 मामलों की सर्जरी तीसरे ब्लॉक के समय में की गई।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया की दिन की तुलना में रात के समय किए गए ऑपरेशन में मरने की संभावना 2.17 टाइम्स अधिक थी। वहीं लेट इवनिंग में किए गए ऑपरेशन में मौत की संभावना दिन के समय हुए ऑपरेशन की तुलना में 1.43 टाइम्स अधिक थी।

# अपनी मर्जी से न करें पेन किलर का इस्तेमाल

**दर्द** निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से न करें दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से बिल्कुल न करें योंकि ऐसा करने से इनके अच्छे परिणामों की बजाय सेहत पर बुरा असर होगा। डॉक्टरों ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को ऐस्पिरिन कभी नहीं देना चाहिए इससे जानलेवा लीवर फेलियर हो सकता है। बच्चे एवं किशोर जो चिकन पाक्स अथवा लू जैसे लक्षणों से रिकवर हो रहे हों उन्हें कभी एस्पिरिन नहीं देना चाहिए पैरासिटामॉल कभी भी डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लेना चाहिए पश्चिमी देशों में यह नंबर वन सुसाइडल एजेंट बन चुका है। दिल के सभी मरीजों को दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी होता है। अगर किडनी की समस्या से प्रभावित मरीज ने दर्द निवारक दवाका इस्तेमाल किया तो उसे किडनी फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। दर्द निवारक दवाओं का बेहद समझदारी से इस्तेमाल होना चाहिए क्योंकि खतरे के दायरे में आने वाले लोगों के लिए एक टेबलेट भी किडनी फेलियर को बढ़ावा दे सकता है।

# अब बच्चे खत्म करेंगे पूरा लंच बॉक्स

**अक्सर** मदर्स की यही शिकायत होती है कि उनका बच्चा लंच बॉक्स में खाना खत्म करके नहीं आता। इसमें पूरा दोष बच्चे का नहीं है, जरा-सा आपका भी है। इसके लिए बच्चों को हेल्दी खाने की आदत डालनी होगी। अगर आपका बच्चा खाने से जी चुराता है और आप इस बात से भी परेशान रहते हैं कि आखिर उसे कैसे लंच बॉक्स दिया जाए, जिसे वह खत्म भी कर ले और उसे पोषण भी मिले तो कुछ टिप्स फॉलो करें।

बच्चों के लंच बॉक्स में ज्यादातर सूखी चीजें रखनी चाहिए, ताकि उन्हें खाने में आसानी रहे। बच्चों की दिलचस्पी का भी ख्याल रखें और इस बात का भी ध्यान रखें कि उन का रोज का खाना एक जैसा न हो जाए। किसी दिन रोटी सब्जी दें, तो किसी दिन आटे की नमकीन सेंवई, कभी सब्जी पुलाव दे दिया, तो कभी उत्तपम, इडली या दाल का चीला वगैरह भी लंच बॉक्स में रख सकते हैं।

बच्चों के लंच बॉक्स में मौसम के हिसाब से फल भी रखें। इनमें संतरा, केला, सेब, अनार वगैरह ऐसे फल हैं जो बच्चों को आमतौर पर पसंद आते हैं। खीरा, ककड़ी टमाटर, अंकुरित अनाज या दल वगैरह का सलाद रखना न भूलें। बच्चे को पॉकेट मनी दे कर बाहर कैंटीन से खाना खाने की आदत न डालें। ये भी करें- बच्चे की खुराक में दूध को अहमियत दें। उसमें रोजाना दूध पीने की आदत डालें। बच्चे की पंसद के खाने को नजरअंदाज न करें, पर साथ ही पौष्टिक खाना खाने के लिए भी बढ़ावा दें। बच्चा जब भोजन खत्म कर लेता है, तो उसे प्यार से शाबाश या वैरी गुड जरूर कहें।

# इन वजहों से रात में भी करें वर्कआउट

**सामान्यत**: लोग सुबह ही वर्कआउट करने को तरजीह देते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। सेहत के लिहाज से यह बेहतर भी है। लेकिन देखा जाए तो इन दिनों समय के अभाव से हर कोई बावस्ता है। ऐसे में वर्कआउट के लिए समय निकालना किसी जद्दोजहद से कम नहीं है। सवाल है ऐसी स्थिति में क्या किया जाना चाहिए? ऐसी स्थिति में आप चाहें

तो रात के समय को चुन सकते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि रात को वर्कआउट कर क्या उतने ही फायदे हासिल हो सकते हैं जितने सुबह करने से हासिल होते हैं? एक अध्ययन के मुताबिक देर रात जगने वालों के लिए रात का समय अनुकूल है। दरअसल इस समय वे पूरे लगन से वर्कआउट करते हैं। वे किसी भी तरह की हड़बड़ी में नहीं होते। अत: वर्कआउट करने में पूरा ध्यान देते हैं। इतना ही नहीं वर्कआउट करते हुए वे अतिरिक्त मेहनत भी करते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसके बाद उन्हें आराम करना है। मतलब साफ है कि निश्चित मन से रात को वर्कआउट करने वाले ज्यादा फोकस होते हैं। नतीजतन इसका उनकी सेहत पर गहरा असर देखने को मिलता है।

### मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

# आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

*जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।*

### बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

### बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

## रेसिपी

### मखमली पनीर टिक्का

#### सामग्री

200 ग्राम पनीर(कटा हुआ)
1/2 कप दही
1/4 चीज(कद्दूकस किया)
1/2 छोटा चम्मच हरी मिर्च(पेस्ट)
1 टेबलस्पून काजू पाऊडर
1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला
1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
नमक स्वादानुसार

#### विधि

सबसे पहले एक बर्तन में दही लेकर इसमें हरी मिर्च,काजू पाऊडर, गर्म मसाला,काली मिर्च,नमक और चीज डालकर मिक्स करें। अब इसमें पनीर के टुकडे लपेट कर 15-20 मिनट के लिए रख दें। माइक्रोवेव को 200 डिग्री पर प्रीहीट कर लें और फिर पनीर के टुकड़ों को स्टिक पर लगा कर माइक्रोवेव में 15 मिनट तक ग्रिल करें। आपका मखमली पनीर टिक्का बनकर तैयार है। इसे सॉस के साथ सर्व करें।

### शिमला मिर्च की लौंजी

#### सामग्री

1 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल ,1/2 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून सौंफ
1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून धनिया पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 3/4 टी-स्पून अमचुर
2 टेबल-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार

#### विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, कलौंजी, सौंफ और हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। शिमला मिर्च डालकर कुछ और सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भून लें। हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अमचुर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए पका लें। 1/2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 4-5 मिनट या शिमला मिर्च के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए पका लें। तुरंत परोसें या हवा बद डब्बे में डालकर 2-3 दिनों के लिए फ्रिज में रखें।

# कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है।

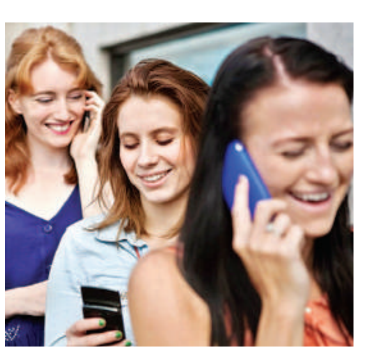

### रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

### जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटेंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढ़ना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटेंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

### आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

### सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहेवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है । वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

# एक बेमानी, संसदीय बहस

**लोकसभा** में पेपर लीक के संशोधित बिल पर चर्चा बुधवार को भी जारी रही। उससे पहले 9 घंटे, देर रात, तक सदन में चर्चा होती रही और ठोस सुझावों के बिना राजनीतिक कीचड़ उछाला जाता रहा। बहस के समाहार में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या नए शिक्षा मंत्री जो भी जवाब देंगे, वह भी 'राजनीतिक' ही होगा, लिहाजा उसका विश्लेषण बाद में करेंगे। विडंबना यह है कि पेपर लीक, शिक्षा-सुधार, परीक्षा-प्रणाली में सुधार और समग्रत: भारत की शिक्षा-व्यवस्था पर संसद जैसे सर्वोच्च, लोकतांत्रिक मंच पर बहस रखी गई थी, लेकिन एक भी सांसद ने सुझाव नहीं दिया कि बदलाव कैसे संभव है? कांग्रेस भाजपा को कोसती रही, समाजवादी पार्टी और बची-खुची तृणमूल कांग्रेस ने भी भाजपा-एनडीए सरकार को 'नाकाम' करार दिया, आतंकवाद और आपातकाल सरीखी अप्रासंगिक, उत्तेजक स्थितियों का भी जिक्र किया गया, आईआईटी मद्रास के निदेशक एवं अपने क्षेत्र के विख्यात विद्वान प्रो. कामकोटि को 'गोमूत्र विशेषज्ञ' करार दिया गया, लेकिन किसी ने यह सुझाव नहीं दिया कि पेपरलीक और उसके राज्यों में फैले माफिया पर काबू कैसे पाया जा सकता है। कुछ सांसद अपवाद हो सकते हैं, लेकिन वे 'नक्कारखाने में तूती' समान ही होंगे! सारांशत: हम इस बहस को 'बेमानी' मानते हैं। हमें लगता है कि पेपर लीक किसी भी राजनीतिक दल की बुनियादी चिंता नहीं है, लेकिन इस मुद्दे पर वे युवा, छात्र आंदोलन की आड़ में छिप कर मौजूदा मोदी सरकार और भाजपा पर राजनीतिक हमले करने की रणनीति पर जरूर सक्रिय हैं। भाजपा सांसद भी जवाहर लाल नेहरू से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक की कांग्रेस सत्ताओं को 'नकारा', 'शिक्षा-विरोधी' करार देने में जुटे रहे। दरअसल पेपरलीक के मुद्दे पर ही वोट नहीं मिलते, लेकिन देश की युवा-शक्ति इतनी व्यापक है कि किसी भी सत्ता की चूलें हिला सकती है और किसी को भी सत्ता में ला सकती है। एक भी सांसद ने हमारी शिक्षा-व्यवस्था के 'काले, अदृश्यस्य यथार्थ' को संसद में पेश नहीं किया कि हम कागजी डिग्रियों वाले, बेरोजगार स्नातक पैदा करने वाले देश हैं। दरअसल भारतीय शिक्षा-प्रणाली ज्ञान और कौशल के बजाय रटने की पद्धति, अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धा और नंबरों की अंधी दौड़ पर आधारित है, नतीजतन देश में स्नातक तो 13 गुना बढ़े हैं, लेकिन बेरोजगार भी 16 गुना बढ़े हैं। जेन-जी की उम्र 15-29 साल के करीब 32.2 करोड़ युवा आज भी 'बेरोजगार' हैं। क्या इसे ही 'जनसांख्यिकीय लाभांश' माना जाता है? सांसदों को उन बेरोजगारों की चिंता क्यों होगी? वे उनके परिजन थोड़े ही हैं! एक भी सांसद ने यह उल्लेख नहीं किया कि देश की बेरोजगारी दर 16.2 फीसदी से भी आगे बढ़ रही है। देश की करीब 69 फीसदी आबादी 15-64 साल के आयु-वर्ग की है। कमोबेश यह उम्र काम करने योग्य मानी जाती रही है, लेकिन काम, रोजगार, नौकरी ही उपलब्ध नहीं है। सरकारी नौकरी सिर्फ 4-5 फीसदी लोगों को ही नसीब है और निजी, असंगठित क्षेत्र में 95-96 फीसदी रोजगार, नौकरियां हैं। वहां वेतनमान, दिहाड़ी, काम करने के मूल्य बेहद असंतुलित हैं, लिहाजा युवाओं की भीड़ सरकारी नौकरी की अंधी दौड़ में शामिल होने को विवश है। सरकारी नौकरी नहीं मिलती या उम्र निकलने लगती है, तो युवा आत्महत्या करने लगते हैं अथवा अपराध का रास्ता अख्तियार कर लेते हैं। क्या संसदीय बहस के दौरान इन सच्चाइयों को उठाया गया? क्या इन पहलुओं पर चर्चा नहीं होनी चाहिए थी? आश्चर्य यह है कि बेरोजगारी दर सर्वाधिक साक्षर राज्य केरलम् में सबसे अधिक 18.2 फीसदी है। तेलंगाना भी कांग्रेसशासित राज्य है, वहां भी बेरोजगारी दर 18 फीसदी के करीब है। पंजाब में केजरीवाल की 'आप' की सरकार है, वह शिक्षा-सुधारक पार्टी होने का दावा करती रही है, लेकिन वहां भी बेरोजगारी दर 17 फीसदी के करीब है और आंध्रप्रदेश जैसे प्रौद्योगिकी वाले राज्य में भी 16.2 फीसदी बेरोजगारी है। पढ़-लिख लेंगे, नीट भी पास कर लेंगे, स्नातक, परास्नातक भी हो जाएंगे, लेकिन रोजगार के अवसर कहां हैं? सरकार और उद्योगपति इस तथ्य पर मत इतराएं कि देश में अरबपति 576 हो गए हैं। बड़ी ऊंची छलांग लगाई है, लेकिन देश में प्रति व्यक्ति आय औसतन कितनी है? सभी जानते हैं, लिहाजा अरबपति होना भी हमारी आर्थिक असमानता का 'विद्रूप सच' है।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या नए शिक्षा मंत्री जो भी जवाब देंगे, वह भी 'राजनीतिक' ही होगा, लिहाजा उसका विश्लेषण बाद में करेंगे। विडंबना यह है कि पेपर लीक, शिक्षा-सुधार, परीक्षा-प्रणाली में सुधार और समग्रत: भारत की शिक्षा-व्यवस्था पर संसद जैसे सर्वोच्च, लोकतांत्रिक मंच पर बहस रखी गई थी, लेकिन एक भी सांसद ने सुझाव नहीं दिया कि बदलाव कैसे संभव है? कांग्रेस भाजपा को कोसती रही, समाजवादी पार्टी और बची-खुची तृणमूल कांग्रेस ने भी भाजपा-एनडीए सरकार को 'नाकाम' करार दिया, आतंकवाद और आपातकाल सरीखी अप्रासंगिक, उत्तेजक स्थितियों का भी जिक्र किया गया, आईआईटी मद्रास के निदेशक एवं अपने क्षेत्र के विख्यात विद्वान प्रो. कामकोटि को 'गोमूत्र विशेषज्ञ' करार दिया गया, लेकिन किसी ने यह सुझाव नहीं दिया कि पेपरलीक और उसके राज्यों में फैले माफिया पर काबू कैसे पाया जा सकता है। कुछ सांसद अपवाद हो सकते हैं, लेकिन वे 'नक्कारखाने में तूती' समान ही होंगे! सारांशत: हम इस बहस को 'बेमानी' मानते हैं।

## कुछ अलग

# खुशियां हों हजार

**परमात्मा** ने कितना सुंदर सिस्टम बना रखा है। हम फिर भी भूले रहते हैं और परेशानियों भरा जीवन जीते हैं, दुखी होते हैं, रिश्ते खराब कर लेते हैं और सारी दुनिया को कोसते रहते हैं। हम यह क्यों भूल जाते हैं कि हमारा दिमाग डोपामाइन नाम का एक खास कैमिकल रिलीज करता है जिसे विज्ञान रिवार्ड कैमिकल कहता है। यानी, आपने कोई कठिन काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया, किसी क्लायंट से आपको आर्डर मिल गया, कोई डील फाइनल हो गई। अगर आप मैडिटेशन करें, हल्की दौड़ लगाएं, तैराकी करें या साइकलिंग करें, हल्की धूप में बैठें, प्रकृति के सान्निध्य में जाएं, यानी किसी प्राकृतिक स्थान पर जाएं, पेड़-पौधों, फूलों के बीच जाएं तो आपका दिमाग सीरोटोनिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है जो आपका मूड सैट कर देता है। अगर आप अपने पेट्स के साथ खेलें, छोटे बच्चे के साथ खेलें, किसी प्रिय व्यक्ति का हाथ पकड़ें, किसी को गले लगाएं और किसी की सच्ची प्रशंसा करें या शाबाशी दें तो भी आप खुश हो जाते हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग औक्सीटोसिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है, जिसे वैज्ञानिक लोग लव कैमिकल मानते हैं। अगर आप कोई एक्सरसाइज करें या हंसें, लाफ्टर एक्सरसाइज करें, कोई कामेडी देखें या डार्क चाकलेट खाएं तो हमारा दिमाग एंडॉरफिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है। वैज्ञानिक ऐसा मानते हैं कि यह एक पेनकिलर का काम करता है जिससे हमें खुशी मिलती है। ये चार कैमिकल खुशी देने वाले कैमिकल हैं। खुश रहने का दूसरा मंत्र यह है कि हम हर छोटी-बड़ी असहमति को युद्ध में न बदल दें।

### शब्द शक्ति में श्लील और अश्लील को लेकर भाषा शास्त्री स्पष्ट विभाजन स्वीकार करते हैं

# समाज को कहां ले जाएगी असभ्यता को सही साबित करने की कोशिश

**गाली** इन दिनों राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री मोदी को लेकर दी खुलेआम गंदी गालियां इसका बहाना बनीं हैं। हैरत की बात है कि इसमें कई प्रोफेसर और पत्रकार भी शामिल हो गए हैं और इन गालियों को उचित ठहराने की दौड़ का हिस्सा बन गए हैं। इसे लड़कियों की क्रांतिकारी अभिव्यक्ति बताया जा रहा है तो कई गालीबाजों को नई गालियां रचने का सुझाव दे रहा है। उनके हिसाब से सारी गालियां पुरूषों द्वारा रची गई हैं, लिहाजा लड़कियों को नई तरह की गाली पुराण रचना चाहिए। इसके खिलाफ का समाज का एक बड़ा तबका इस नई प्रवृत्ति की मुखालफत कर रहा है। उसका कहना है कि गालियां भले हीं समाज में सदा से चली आ रही हैं, लेकिन कम से कम उनकी सार्वजनिक स्वीकृति नहीं रही है। गालियों के समर्थकों में सबसे बड़ी संख्या खुद को क्रांतिकारी मानने वाले वामपंथी हैं। प्रगतिशील लेखक संघ भारत में वामपंथी विचारधारा के लिहाज से गठित हुआ था। उसके पहले अध्यक्ष उपन्यास सम्राट प्रेमचंद थे। गाली विमर्श के संदर्भ में प्रेमचंद का लिखे एक लेख का अंश याद आ रहा है। उन्होंने लिखा है, ''हर जाति का बोलचाल का ढ़ंग उसकी नैतिक स्थिति का पता देता है। अगर इस दृष्टि से देखा जाए तो हिन्दुस्तान सारी दुनिया की तमाम जातियों में सबसे नीचे नजर आएगा। बोलचाल की गंभीरता और सुथरापन जाति की महानता और उसकी नैतिक पवित्रता को व्यक्त करती है और बदजवानी नैतिक अंधकार और जाति के पतन का पक्का प्रमाण है। जितने गन्दे शब्द हमारी जबान से निकलते हैं शायद ही किसी सभ्य जाति की ज़बान से निकलते हों।'' इसमें दो राय नहीं कि हर सफल आंदोलन के बाद आंदोलनकारी नायक और विजेता के रूप में उभरते हैं। इस लिहाज से काकरोच जनता पार्टी के नेता जंतर-मंतर आंदोलन के फिलहाल के विजेता तो हैं हीं। इस तर्क से उनका साथ देने वाला वाला समूह भी उसी वर्ग का माना जाएगा। इतिहास हमेशा विजेताओं का ही गुणगान करता है, उसकी सफलता की बलैया लेता है। चूंकि काकरोच जनता पार्टी के नेता चूंकि हीरो हैं, इसलिए उनकी ओर से दी गई गालियों को उनके गुणों के रूप में देखने की कोशिश हो रही है। तर्क दिया जा रहा है कि भारतीय समाज में शादी-ब्याह और मुंडन-जनेऊ के मौके पर प्यार से गालियां दी जातीं हैं। लिहाजा से जंतर-मंतर की गालियां भी उन्हीं गालियों की तरह स्नेह की अभिव्यक्ति हैं। लेकिन क्या सचमुच ऐसा ही है ? गंभीरता से विचार करेंगे तो इसका जवाब ना में मिलता है। इस अश्लील अभिव्यक्ति का मकसद देश के संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए हिकारत और घृणा का प्रदर्शन है। मोदी देश के वामपंथी और कांग्रेसी इकोसिस्टम एवं संस्कृति और परंपराभंजकों

करोच जनता पार्टी के नेता जंतर-मंतर आंदोलन के फिलहाल के विजेता तो हैं हीं। इस तर्क से उनका साथ देने वाला वाला समूह भी उसी वर्ग का माना जाएगा। इतिहास हमेशा विजेताओं का ही गुणगान करता है, उसकी सफलता की बलैया लेता है। चूंकि काकरोच जनता पार्टी के नेता चूंकि हीरो हैं, इसलिए उनकी ओर से दी गई गालियों को उनके गुणों के रूप में देखने की कोशिश हो रही है। तर्क दिया जा रहा है कि भारतीय समाज में शादी-ब्याह और मुंडन-जनेऊ के मौके पर प्यार से गालियां दी जातीं हैं। लिहाजा से जंतर-मंतर की गालियां भी उन्हीं गालियों की तरह स्नेह की अभिव्यक्ति हैं। लेकिन क्या सचमुच ऐसा ही है ? गंभीरता से विचार करेंगे तो इसका जवाब ना में मिलता है। इस अश्लील अभिव्यक्ति का मकसद देश के संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए हिकारत और घृणा का प्रदर्शन है।

के निशाने पर तब से हैं, जब आज के जेन जी के अधिसंख्य जन्मे भी नहीं होंगे। अतीत में मोदी के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल जरूर होता था, लेकिन उनमें गालियां नहीं थीं। जंतर-मंतर का हालिया आंदोलन इसी बुनियाद पर आगे की कड़ी है। बचाव में उतरे वामपंथियों का तर्क है कि ये गालियां नई नहीं हैं। कई तो खुद का उदाहरण देते हुए कहने से नहीं चूक रहे कि वे भी गाली देते हैं या फिर उनके दोस्तों के बीच गालियों का खूब आदान-प्रदान होता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वे ऐसी ही गालियां अपने ही बच्चों के मुख से अपने ही घरों में सुनना पसंद करेंगे। सवाल यह भी है कि क्या इन गालीबाजों को भविष्य में वे अपने परिवार का दामाद या बहू के रूप हिस्सा बनाना पसंद करेंगे। सवाल यह भी है कि क्या वे अपने ही बच्चों से स्नेह के तौर पर अपने ही माता-पिता को ऐसी गालियां दिलाना स्वीकार करेंगे। निश्चित तौर पर इन सवालों का जवाब ना में है। हर समाज में गालियां किसी न किसी रूप में रही हैं। लेकिन वे कभी सार्वजनिक स्वीकार्यता और विमर्श का विषय नहीं रही हैं। गालियां संस्कार से जुड़ी हैं। भाषाशास्त्री शब्द शक्ति की बात करते हैं। शब्द शक्ति में श्लील और अश्लील को लेकर भाषा शास्त्री स्पष्ट विभाजन स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि श्लील ही सार्वजनिक चर्चा और अभिव्यक्ति का माध्यम होता है। आधुनिक साहित्य में गालियों का प्रयोग वामपंथी विचारधारा के बढ़ते असर के साथ बढ़ा। लेकिन प्रेमचंद के किसी कहानी या उपन्यास में कहीं गाली या अश्लील शब्द का प्रयोग नहीं मिलता। सच तो यह है कि गालियां कभी यथार्थ नहीं होती। हिंदी साहित्य में यथार्थवाद की अभिव्यक्ति के लिए गालियों के प्रयोग की शुरूआत हुई। लेकिन आधुनिक यथार्थवादी चिंतन से पहले के साहित्य में कभी गालियों का प्रयोग नहीं होता दिखता। अनुवादटूल और संसाधन तर्क दिया जा रहा है कि जेन जी की यही भाषा है। वह ऐसे ही खुद को अभिव्यक्त करता है। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या वह परीक्षा में भी वह गालियों को अपनी जवाब में शामिल करता है?और क्या वह स्वीकार्य होगा? उनके समर्थन में उतरे दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यापक कक्षाओं में गालियों के धाराप्रवाह प्रयोग को स्वीकार करेंगे। सवाल यह भी है कि जो पत्रकार इसका समर्थन कर रहे हैं, क्या वे अपने अखबारों और अपने स्टूडियो में उन गालियों के इस्तेमाल को तैयार होंगे? निश्चित तौर पर इन सभी सवालों का जवाब ना में है। फिर यह सवाल क्यों ना उठे कि गालियों का महिमा मंडन क्यों? तर्क यह भी है कि जेन जी इसी तरह सोचता है। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि समूचे देश का जेन जी एक जैसा नहीं है, उसकी एक मातृभाषाएं नहीं है। जरूरी नहीं कि दिल्ली और चंडीगढ़ के जेन जी की तरह मुंबई और बंगलुरू का जेन जी भी सोचता हो। जिस तरह हर इलाके के लिए लोगों का खान-पान, रहन-सहन और बोली-बानी अलग-अलग हैं, कुछ इसी तरह हर इलाके के जेन जी की सोच भी अलग है। कुछ हजार या लाख जेन जी भले ही गालियां देने में फख्र महसूस कर रहे हों, लेकिन हकीकत यह है कि अब भी देश के जेन जी का बड़ा हिस्सा संस्कारी है और उसे सार्वजनिक तौर पर गालियां बकने से परहेज है। मार्क्सवादी हिंदी लेखक जगदीश्वर चतुर्वेदी ने एक जगह लिखा है कि गालियों को वैध ठहराने की कोशिश पुनरूत्थानवादी सोच की खूबी है। वह पुराने असभ्य रूपों, भाषिक प्रयोगों, आदतों और संस्कारों को बनाये रखता है। मार्क्सवादी राष्ट्रीय विचारधारा को पुनरूत्थानवादी ही मानते हैं। तो क्या मान लें कि गालियों को उचित ठहराने वाले मार्क्सवादी भी अब पुनरूत्थानवादी हो गए हैं? समूचे भारतीय इतिहास और साहित्य में कहीं क्या गाली दी जाती थी, इसका प्रयोग नहीं दिखता। गालियां हमेशा से गलत और असभ्य मानी जाती रही हैं। महाभारत में शिशुपाल का प्रकरण आता है। जिसकी सौ गालियों को कृष्ण बर्दाश्त करते हैं, लेकिन शिशुपाल जब सौ की सीमा पार करता है तो उसका वध कर देते हैं। जाहिर है कि कृष्ण के दौर में गालियां असभ्यता की निशानी थी। उनका महिमा मंडन नहीं होता था। मध्यकाल में जरूर गालियों को प्रतिष्ठा मिलने के संकेत मिलते हैं। फिर भी उनकी सार्वजनिक स्वीकार्यता नहीं दिखती। ऐसे में प्रश्न यह है कि भारतीय समाज प्रधानमंत्री को सार्वजनिक तौर पर दी जाने वाली गालियों और असभ्यता को क्यों स्वीकार किया जाए? नई पीढ़ी को असभ्य बनाने की प्रक्रिया को बढ़ावा क्यों दिया जाए। सभ्यता के साथ भी कड़ी से कड़ी आलोचना करने और कठोर बातें बोलने के लिए उन्हें योग्य क्यों न बनाया जाए। उनके परिवारों को क्यों न चेताया जाए कि असभ्यता की ओर बढ़ रहे अपने बच्चों के कदम को रोकें और उन्हें जिम्मेदार नागरिक और परिवारी बनाने की दिशा में आगे बढ़ें।

## देश दुनिया से

# बदलता भूजल प्रवाह बढ़ाता भवनों के लिए जोखिम

**पर्वतीय** भूमिगत जल भंडारों पर वैश्विक स्तर पर भी बहुत विस्तृत अध्ययन कई कारणों से नहीं हो पाया है। उत्तराखंड जैसे घोषित पर्वतीय राज्य में भी यही स्थिति है। किंतु जोशीमठ भूधंसाव से बनी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय चिंताओं तथा पहाड़ी नए-पुराने शहरों को बचाने-बसाने के क्रम में भूजल विज्ञान की जमीनी समझ अपरिहार्य हो गई है। जोशीमठ में 2 जनवरी, 2023 से एक कॉलोनी के चैनल से पानी निकलने की सूचना मिलने के बाद से ही सरकारी स्तर पर इसकी प्रतिदिन माप की जा रही है और तब से जलप्रवाह में लगातार उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बयान जारी होते रहे हैं कि पानी के प्रवाह की दर इतनी कम हुई या इतनी ज्यादा हुई, या अब एकदम ही बंद हो गई है। पानी लोगों के घरों में भी दरारों के साथ आया था। ऐसे बयानों से आमजन के बीच यह धारणा विकसित करने की कोशिश होती है कि कम होता डिस्चार्ज भूधंसाव का जोखिम कम होने का सूचक है। ऐसा विश्लेषण करना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं होगा। यदि निर्माणों को आधार देने वाली परतों में जल रिसाव या जल निकासी घटती-बढ़ती रहती है अथवा चट्टानों के अपभ्रंशों में पानी सूखता-भरता रहता है, यानी उतार-चढ़ाव होता है, तो आधारित भवनों की नींवों पर काफी दबाव आ जाता है। भूजल की तेजी से अप्रत्याशित घटत-बढ़त भवनों को लंबी अवधि में कमजोर ही करती है। यदि यह बाहर निकलता कम पानी पहले कहीं नींवों के आसपास जमा होने के कारण कम हो रहा है, तो वह भवनों की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। नींव के आसपास जमा पानी मृदा परतों की ताकत कम कर देता है। पहाड़ों में, खासकर चूने के अपभ्रंशों में भी पानी घुसता व जमा होता है। ठोस चट्टानों की दरारों से भी पानी घुसता है। घने जंगलों के चौड़ी पत्तियों वाले क्षेत्र में भी भूमिगत जल जमा होता है। रिसाव बर्फबारी से भी संभव है। अनुभव रहा है कि जब कभी अचानक नदी की धारा मंद हो जाती है, तो अंदेशा पैदा हो जाता है कि कहीं ऊपर नदी मार्ग में भूस्खलनों से अवरोध आ गया है। अब पानी कम दिख रहा है, किंतु जब वह अवरोध टूटेगा, तो नदी भीषण वेग में आ

सकती है। जलवायु बदलाव की अतिरेकी घटनाओं के बीच ऐसे दंश बढ़ेंगे ही। कई बार गहराइयों तक पहुंची नींवों से भी पहाड़ों में जमीन के अंदर ढलानों में बहता जल-प्रवाह बाधित हो जाता है। ऐसे में जलधाराएं अन्य राहें ढूंढ़ लेती हैं व अन्य कमजोर भ्रंशों से फूटकर बाहर निकल सकती हैं। जमीन के भीतर यदि ढीली मिट्टी-पत्थर की परतें हों, तो जैसे सतह पर ढलानों में वेगमयी जल-प्रवाह मलबा-मिट्टी लेकर बढ़ता है, वैसे ही वे जमीन के भीतर भी मिट्टी-पत्थर लेकर बढ़ सकते हैं और मकानों, भवनों व पिलरों की नींव की मिट्टी बहाकर आगे ले जा सकते हैं। नींव के मेटिरियल के कटाव से मकान, भवन, पुल आदि तिरछे या ध्वस्त हो सकते हैं। यदि भवनों के आसपास किन्हीं कारणों से दरारें आ जाएं, तो भूमिगत नींवों के पास पहुंचा पानी भी मकानों, भवनों या अन्य कंक्रीट ढांचों को असुरक्षित व जर्जर बना सकता है। निर्माण संरचनाओं की नींवों के जितना निकट भूमिगत जल स्तर होता जाता है, उतनी ही नींव की भवन धारण क्षमता घटती जाती है। भूमिगत जल जितना नीचे होगा, उतना ही कम उसका असर निर्माण संरचनाओं पर पड़ेगा। शैल या मृदा परतों के रंध्रों में पहुंचा पानी पोर प्रेशर पर असर डालता है। यदि रंध्रों में पानी हवा को हटाकर अपनी जगह बना रहा है, तो पानी, वायु से भारी होने के कारण, शैल या मिट्टी की परतों का भार बढ़ा देता है। इससे सतह व भीतर के ढलावों (स्लोप्स) में अस्थिरता आ जाती है, जिससे निर्माणों में भी अस्थिरता आ सकती है। साथ ही, पानी जब किसी शैल या मृदा परत पर रिसता रहता है, तो वह उस परत के भौतिक व रासायनिक घटकों में बदलाव ले आता है। यदि शौचालय सीवर लाइनों से जुड़े नहीं हैं और उनका मल-मूत्र एवं शौच-जल परिसर में बने पिटों में ही जाता है, तो अत्यधिक उपयोग की स्थिति में भूमि के भीतर नींवों के आसपास रिसाव और जल-जमाव की समस्या पैदा हो सकती है। अधिकांश गांवों व बस्तियों में शौचालय सीवर नेटवर्क से जुड़े नहीं हैं, इसलिए यह जोखिम वहां भी विद्यमान है। ऐसे में यदि किसी स्थान पर सामान्य क्षमता से अधिक भीड़ शौचालयों और मूत्रालयों का उपयोग करे, तो पिटों पर अत्यधिक दबाव पड़ना, उनका क्षतिग्रस्त होना तथा रिसाव की समस्या बढ़ना स्वाभाविक है। पहाड़ी क्षेत्रों में बहुमंजिला भवनों के निर्माण के लिए गहरी नींव आवश्यक होती है, जिससे भूमिगत जलवाहिनियों को क्षति पहुंचने या उनके प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन की आशंका बढ़ जाती है। जोशीमठ जैसे क्षेत्रों में वर्षों से जारी असमान भू-धंसाव के कारण सतही और भूमिगत जल के प्रवाह तथा रिसाव की दिशा भी बदल सकती है। जिन इलाकों में भू-धंसाव हो रहा है, वहां खासकर बरसात में अधूरी नालियां या अन्य प्रकार के खदान के काम नहीं छोड़े जाने चाहिए। यदि नदियों में, बैराज-बांधों में, सुरंगों के मुहानों पर मलबे के अंबारों के अवरोध खड़े कर दिए हों, तो उनसे भी पानी रिसकर पार्श्व की संरचनाओं में जा सकता है। जोशीमठ धंसाव से जुड़ी सरकारी उपग्रह तस्वीरें भले ही सार्वजनिक वेबसाइट से हटा दी गई हों, लेकिन ग्रीस के एक शोध संस्थान के सैटेलाइट विश्लेषण, जिसे भारत के एक प्रतिष्ठित प्रकाशन ने प्रकाशित किया, के अनुसार 2018 से 31 दिसंबर, 2022 तक जोशीमठ औसतन लगभग 10 सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की दर से धंसता रहा।

## आप का नज़रिया

# भूमि की फर्जी खरीद

**जमीनों** की खरीद में एक पूरा माफिया सक्रिय है और धारा 118 के सीधे उल्लंघन के निशान लिए पूरा पहाड़ा भरभरा रहा है। मामला गगल एयरपोर्ट के साथ और भी संगीन हो गया जब जम्मू से आकर बसा परिवार सौ कनाल जमीन पर हिमाचली घोषित हो गया। आश्चर्य यह कि जहां चंद मरले जमीन की खरीद मुश्किल है, वहां जम्मू से आए दंपती ने सौ कनाल पर कब्जा जमा लिया। पूरे प्रदेश में भूमि बिक्री के कई हॉट स्पॉट बने हैं, तो इसलिए कि एक पूरा तंत्र विकसित हो गया है। जाहिर है यह भू-राजस्व विभाग की मिलीभगत और राजनीतिक प्रश्रय के बिना असंभव है। यहां लैंड सीलिंग कानून के बाद पैदा हुए लैंड लार्ड्स की उत्पत्ति का भी एक लंबा सिलसिला रहा है। शहर बड़े हुए, लेकिन शहरीकरण अंगीकार नहीं हुआ। खेत बिकते रहे, लेकिन कृषि बचाने के कानून नहीं बने। मुजारा कानून के तहत लघु जमींदार खत्म हुए, लेकिन जिन्हें जमीनें मिली, वे सौदा करते रहे। इसी तरह नौतोड़ जमीनों का आबंटन भी कृषि उपज के बजाय भूमि के सौदों का जरिया बन गया। सामाजिक उत्थान के इरादों से आए लैंड सीलिंग एक्ट ने जमीनों की बिक्री खोल दी। नतीजतन कांगड़ा घाटी, कुल्लू वैली, हमीरपुर, मंडी तथा बिलासपुर के कृषि योग्य खेत कंक्रीट उगाने लगे। अगर जमीनें छीनीं गईं, तो शर्त यह होनी चाहिए थी कि इनका उपयोग खेतीबाड़ी के लिए ही होगा। जमीनों की बिक्री दरअसल कृषि-बागबानी के प्रति घटता मोह भी है। वन संरक्षण अधिनियम की कमजोरी के कारण भी मानव गतिविधियों का भावार्थ बदल गया है। बंदर व वन्य प्राणियों के कारण खेतों पर कृषि बंद हो गई और बागीचे ठूंठ बन गए। व्यापारिक गतिविधियों में स्वरोजगार की तलाश के कारण और पर्यटन के अंधाधुंध प्रसार के कारण भी जमीनों की बिक्री का माफिया पैदा हो गया। पर्यटन जिस तरह पहाड़ की ओर चढ़ रहा है, उससे भूमि की बिक्री अब जलस्रोतों के नजदीक, जल रिसाव के पास तथा ढांग पर होने लगी है। यही वजह है कि मनाली, कसौली, डलहौजी, मकलोडगंज, नयनादेवी, कुल्लू, मंडी व अन्य अनेक शहरों के नीचे बिक रही जमीनें, इनके वजूद को बर्बाद कर रही हैं। जाहिर है इस स्थिति के लिए शहरी विकास विभाग, ग्राम एवं नगर योजना विभाग, भू-राजस्व विभाग, पर्यटन विभाग, स्थानीय प्रशासन तथा राजनीतिक संस्थाएं दोषी हैं। शहरीकरण के सांचे में गगल एयरपोर्ट का विकास भू-माफिया की ताकत बन जाता है, लेकिन हिमुडा को नए शहर बसाने की फुर्सत नहीं मिलती। पहले चैतड़ू के पास सेटेलाइट टाउन बसाने की योजना राजनीतिक कारणों से बर्बाद हुई, फिर नरघोटा में एक नए शहर की संभावना को समाप्त किया गया। नरघोटा में टाउनशिप के लिए मांग का जबरदस्त आधार था, लेकिन पूरी परियोजना को शहीद कर दिया गया। अगर भू-माफिया की पड़ताल हो तो राजनीति के कई चेहरे, ब्यूरोक्रेसी और अफसरशाही के कई हाथ, ठेकेदारों की पूरी जमात तथा टीसीपी के उल्लंघन करते कई लोग सामने आ जाएंगे। हिमाचल को भू-माफिया से बचाने की राजनीतिक इच्छा तब ही जाहिर होगी अगर पूरे प्रदेश को टीसीपी कानून के तहत लाया जाए, आवासीय व्यवस्था के तहत नए शहर, नई बस्तियां बसाई जाएं तथा लैंड पूलिंग के तहत गैर कृषि योग्य जमीन तथा वन भूमि को भी लाया जाए। शहरों के दायरे तथा विकास के मुहानों पर नवनिर्माण को प्रतिबंधित करके कुछ हद तक बचाव होगा, वरना हिमाचल में जमीनों की खरीद-फरोख्त का धंधा फलता- फूलता रहेगा। इसलिए एयरपोर्ट, मंदिर, मेडिकल कालेज तथा संस्थानों की स्थापना के साथ नव विकास के पूरे क्षेत्र को 'साडा' घोषित करना चाहिए।

आश्चर्य यह कि जहां चंद मरले जमीन की खरीद मुश्किल है, वहां जम्मू से आए दंपती ने सौ कनाल पर कब्जा जमा लिया। पूरे प्रदेश में भूमि बिक्री के कई हॉट स्पॉट बने हैं, तो इसलिए कि एक पूरा तंत्र विकसित हो गया है। जाहिर है यह भू-राजस्व विभाग की मिलीभगत और राजनीतिक प्रश्रय के बिना असंभव है। यहां लैंड सीलिंग कानून के बाद पैदा हुए लैंड लार्ड्स की उत्पत्ति का भी एक लंबा सिलसिला रहा है। शहर बड़े हुए, लेकिन शहरीकरण अंगीकार नहीं हुआ। खेत बिकते रहे, लेकिन कृषि बचाने के कानून नहीं बने। मुजारा कानून के तहत लघु जमींदार खत्म हुए, लेकिन जिन्हें जमीनें मिली, वे सौदा करते रहे। इसी तरह नौतोड़ जमीनों का आबंटन भी कृषि उपज के बजाय भूमि के सौदों का जरिया बन गया। सामाजिक उत्थान के इरादों से आए लैंड सीलिंग एक्ट ने जमीनों की बिक्री खोल दी। नतीजतन कांगड़ा घाटी, कुल्लू वैली, हमीरपुर, मंडी तथा बिलासपुर के कृषि योग्य खेत कंक्रीट उगाने लगे। अगर जमीनें छीनीं गईं, तो शर्त यह होनी चाहिए थी कि इनका उपयोग खेतीबाड़ी के लिए ही होगा। जमीनों की बिक्री दरअसल कृषि-बागबानी के प्रति घटता मोह भी है। वन संरक्षण अधिनियम की कमजोरी के कारण भी मानव गतिविधियों का भावार्थ बदल गया है। बंदर व वन्य प्राणियों के कारण खेतों पर कृषि बंद हो गई और बागीचे ठूंठ बन गए। व्यापारिक गतिविधियों में स्वरोजगार की तलाश के कारण और पर्यटन के अंधाधुंध प्रसार के कारण भी जमीनों की बिक्री का माफिया पैदा हो गया। पर्यटन जिस तरह पहाड़ की ओर चढ़ रहा है, उससे भूमि की बिक्री अब जलस्रोतों के नजदीक, जल रिसाव के पास तथा ढांग पर होने लगी है।

## दृष्टि कोण

# राष्ट्रहित में नियमित सैन्य भर्ती जरूरी

**जून** 2026 के अंतिम सप्ताह में देश के विभिन्न सैन्य प्रशिक्षण केंद्रों से अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड के वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से चर्चा में रहे। प्रशिक्षण पूरा कर घर लौटते इन युवा सैनिकों का गांवों और शहरों में जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ स्वागत हुआ, उसने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। कहीं माता-पिता अपने बेटे को सैनिक की वर्दी में देखकर भावुक हुए, तो कहीं फूलमालाओं और बैंड-बाजों के साथ उनका अभिनंदन किया गया। इन दृश्यों ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि भारतीय समाज में सैनिक केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, अनुशासन और त्याग का प्रतीक हैं। इन भावनात्मक दृश्यों के साथ अग्निपथ योजना को लेकर एक गंभीर बहस भी तेज हुई। प्रश्न यह है कि क्या चार वर्ष की संविदा आधारित भर्ती व्यवस्था भारत की दीर्घकालीन सुरक्षा आवश्यकताओं और युवाओं के सुरक्षित भविष्य के अनुरूप है, अथवा इसमें आवश्यक सुधारों का समय आ गया है? भारत सरकार ने 14 जून 2022 को अग्निपथ योजना को मंजूरी दी और 16 जून 2022 को इसकी घोषणा की। इसके अंतर्गत 17 से 21 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की चार वर्ष के लिए भर्ती की जाती है। पहले वर्ष लगभग 30 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है, जो चौथे वर्ष तक लगभग 40 हजार रुपए हो जाता है। वेतन का 30 प्रतिशत भाग सेवा निधि में जमा होता है, जिसमें सरकार भी समान राशि का योगदान देती है। सेवा अवधि पूरी होने पर लगभग 11.7 लाख रुपए की कर-मुक्त सेवा निधि, लगभग 48 लाख रुपए का जीवन बीमा तथा कौशल प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार लगभग 25 प्रतिशत अग्निवीरों को प्रदर्शन, योग्यता और रिक्तियों के आधार पर नियमित सेवा में रखा जाना है, शेष 75 फीसदी अग्निवीरों को 4 साल बाद सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा, जिसके बाद उनके करियर और स्थायी रोजगार को लेकर भारी अनिश्चितता रहना तय है, दूसरे चार साल बाद बाहर होने वाले जवानों को भूतपूर्व सैनिक का दर्जा, आजीवन पेंशन या स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं

मिलेंगी, जो पहले स्थायी सैनिकों को मिलती थीं। कई राज्य सरकारों ने पुलिस और अन्य सेवाओं में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है तथा निजी क्षेत्र की अनेक कंपनियों ने भी उन्हें रोजगार देने में रुचि दिखाई है। योजना के इन सकारात्मक पक्षों के बावजूद अनेक रक्षा विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं। उनका मानना है कि आधुनिक सैनिक तैयार करने की प्रक्रिया केवल हथियार चलाने का प्रशिक्षण नहीं है। सामरिक सोच, नेतृत्व क्षमता, रेजिमेंटल परंपराओं, टीम भावना, मानसिक दृढ़ता और युद्धक्षेत्र में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित होने में कई वर्ष लगते हैं। इसलिए चार वर्ष की सेवा अवधि अपेक्षाकृत कम मानी जानी चाहिए। आज भारत के सामने सुरक्षा चुनौतियां पहले से कहीं अधिक जटिल हैं। उत्तरी सीमा पर चीन के साथ तनाव, पश्चिमी सीमा पर आतंकवाद, ड्रोन के बढ़ते खतरे, साइबर हमले और तकनीक आधारित युद्ध ने सैन्य तैयारियों का स्वरूप बदल दिया है। ऐसे समय में सेना को ऐसे सैनिकों की आवश्यकता है जो आधुनिक तकनीक के साथ-साथ लंबा व्यावहारिक अनुभव भी रखते हों। रेजिमेंटल भावना भी भारतीय सेना की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। यह केवल प्रशिक्षण से नहीं, बल्कि वर्षों तक साथ सेवा करने, कठिन परिस्थितियों का सामना करने और आपसी विश्वास से विकसित होती है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि चार वर्ष की सेवा अवधि इस भावना को किस सीमा तक प्रभावित करेगी, इसका आकलन दीर्घकालिक अनुभव और सैन्य अध्ययनों के आधार पर ही किया जा सकेगा।

# रैना बोले, अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से अच्छा फील्डर बना

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना अपनी बल्लेबाजी के साथ ही बेहतरीन फील्डिंग के लिए भी जाने जाते हैं। रैना के अनुसार अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से ही वह एक एक बेहतर फील्डिर बने थे। रैना का मानना है कि लगातार अभ्यास की एक मजबूत संस्कृति भारतीय क्रिकेट में हैं जिससे सभी को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी ट्रेनिंग के लिए निर्धारित समय से आधा घंटा पहले मैदान पर पहुंच जाते थे, क्योंकि उनके सत्र की शुरुआत हमेशा फील्डिंग से होती थी। यह आज की तरह मात्र कुछ कैच पकड़कर समाप्त होने वाला सत्र नहीं था, बल्कि इसमें हाई कैच, ग्राउंड फील्डिंग, स्लिप कैच और पैरेलल कैच जैसे विभिन्न अभ्यास शामिल होते थे। वह उत्तर प्रदेश में मोहम्मद कैफ के नेतृत्व को याद करते हैं, जो एक स्टंप लगाकर सीधे उस पर थ्रो करने का अभ्यास कराते थे और कहते थे, अगर सीधे स्टंप पर थ्रो नहीं मारोगे, तो अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलेगी। इन्हीं कठिन और सटीक अभ्यास सत्रों ने उनकी फील्डिंग को मजबूत आधार दिया।

रैना की फील्डिंग को बेहतर बनाने में आदर्श खिलाड़ियों की टिप्स की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि जोंटी रोड्स जैसे महान फील्डर से तारीफ मिलना हमेशा खास होता है, क्योंकि वह हमेशा उनके आदर्श रहे हैं। भारत में उन्हें मोहम्मद कैफ और युवराज सिंह से काफी प्रेरणा मिली। युवराज सिंह पाइंट और कवर पर फील्डिंग करते थे, जबकि रैना मिड-आफ पर तैनात रहते थे। उनका लक्ष्य रहता था कि गेंद उनके बीच से न निकल पाए, जिससे भारतीय टीम के लिए एक मजबूत मध्य-फील्डिंग साझेदारी बनी। रैना ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की एक डरावनी घटना को भी साझा किया, जो आस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में इरफान पठान के साथ हुई थी। रविंद्र जडेजा गेंदबाजी कर रहे थे और डेविड वार्नर ने स्वीप शाट खेला, जिसमें गेंद उनके बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में उछल गई। रैना मिडविकेट पर थे और इरफान कैच पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे रैना ने बताया, मैं सिर्फ गेंद को देख रहा था। मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि इरफान कहां हैं। मुझे सिर्फ गेंद, फ्लडलाइट्स, दर्शक और पीछे लहराता तिरंगा दिखाई दे रहा था। जैसे ही उन्होंने कैच पूरा किया, उनकी जोरदार टक्कर इरफान पठान से हो गई। रैना ने कहा कि एक पल के लिए उन्हें लगा कि अगर उनका सिर इरफान के शरीर से टकराता तो गंभीर चोट लग सकती थी, लेकिन शुक्र है कि सिर्फ उनका कंधा टकराया और वे कैच पकड़ने में सफल रहे। हालांकि, इस टक्कर में इरफान पठान की पसली में फ्रैक्चर हो गया था और उन्हें काफी चोट आई। इस घटना से हमने एक बड़ी सीख ली कि जिसका कैच हो, उसे जोर से आवाज लगाकर बताना चाहिए। इस घटना ने फील्डरों के बीच बेहतर संवाद की अहमियत को उनके मन में हमेशा के लिए बिठा दिया रैना ने निष्कर्ष निकाला कि शुरुआती वर्षों में मिला कठिन प्रशिक्षण, अनुभवी साथियों से मिली सीख और मैदान पर हुए ऐसे अनुभवों ने ही उन्हें एक ऐसा फील्डर बनाया, जिसकी फुर्ती, पूर्वानुमान क्षमता और समर्पण की लंबे समय तक प्रशंसा होती रही।

## न्यूज़ ब्रीफ

### भारतीय मूल के जय आयरलैंड से एकदिवसीय खेलते दिखेंगे

**मुम्बई ।** भारतीय मूल के राजस्थान में जन्मे क्रिकेटर जय मूंदड़ा अब आयरलैंड क्रिकेट टीम से खेलते नजर आयेंगे। जय को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए आयरलैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। जय का जन्म राजस्थान में हुआ था पर पढ़ाई के लिए वह आयरलैंड चले गए थे। जय का सपना क्रिकेटर बनना था जो अब पूरा होता दिख रहा है। कुछ समय पहले ही जय ने आयरलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही शानदार प्रदर्शन कर दो मैचों में 5 विकेट लिए थे, जिससे आयरलैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत हासिली की थी। इस प्रदर्शन के बल पर अब उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। यदि जय अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अपना वनडे डेब्यू करते हैं, तो वह आयरलैंड के लिए एकदिवसीय खेलने वाले दूसरे भारतीय मूल के क्रिकेटर बन जाएंगे। आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच 5 से 14 अगस्त के बीच पांच मुकाबलों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए आयरलैंड ने अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस सीरीज में कप्तान पाल स्टर्लिंग भी वापसी कर रहे हैं, जो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान लगी चोट से उबर चुके हैं। जय मूंदड़ा के अलावा, बेन कैलिट्ज और बायरन मैकडोनो को भी उनके हालिया शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। कैलिट्ज भी जय मूंदड़ा के साथ भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत का हिस्सा थे। हालांकि, चोटों के कारण आयरलैंड को इस सीरीज में कई अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना होगा। तेज गेंदबाज जोश लिटिल, मैट हालैंड, क्रेग यंग, बैरी मैकार्थी, जार्डन नील और डेविड डेलानी जैसे प्रमुख खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, जिससे टीम को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पांच मुकाबलों की यह एकदिवीसय सीरीज 5 अगस्त को ब्रेडी में शुरू होगी, जहां 7 अगस्त को दूसरा मैच भी खेला जाएगा। शेष तीन मुकाबले 10, 12 और 15 अगस्त को स्टार्मोंट में खेले जाएंगे। यह सीरीज नए नियुक्त हेड कोच गैरी विल्सन के लिए भी पहला महत्वपूर्ण असाइनमेंट होगी।

### आशुतोष के नाम है घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

**मुम्बई।** टी20 क्रिकेट में सबसे तेज़ अर्धशतक की बात करे तो अधिकतर प्रशंसकों की नजरें आक्रामक आलराउंडर युवराज सिंह की ओर जाती हैं पर ये सही नहीं घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड युवराज नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के नाम है। आशुतोष ने साल 2023 को सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए यह ऐतिहासिक रिकार्ड अपने नाम किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने केवल 11 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था। इस के साथ ही आशुतोष भारत के लिए सबसे तेज़ टी20 अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। इस पारी के दौरान आशुतोष ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्के लगाये जिससे विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं मिला। उनकी इस विस्फोटक पारी से रेलवे ने एक विशाल स्कोर बनाया। उनकी यह पारी टी20 फार्मेट की तेजी और अनिश्चितता का बेहतरीन उदाहरण है, जहां कोई भी बल्लेबाज किसी भी पल मैच का रुख पलट सकता है।

### एशेज में वापसी कर सकते हैं स्टोक्सः मैकडोनाल्ड

**मेलबर्न।** आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दावा किया है कि हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में वापसी कर सकते हैं। स्टोक्स ने पिछले महीने न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के बाद अचानक ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनके टीम में नहीं रहने से इंग्लैंड को करारा झटका लगा है। मैकडोनाल्ड ने हालांकि कहा कि कि उनके पास स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है पर उनका आंकलन है कि इंग्लैंड प्रबंधन इस पूर्व कप्तान को वापसी के लिए मनाएगा। इसलिए अगर स्टोक्स एशेज 2027 के लिए वापसी करते हैं तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। आस्ट्रेलियाई कोच ने कहा, अगर वह संन्यास से वापसी करें और एक और एशेज खेलें, तो यह अच्छा रहेगा। उसकी वापसी काफी चर्चाओं में रहेगी। उन्होंने साथ ही कहा, अगर आप उस सीरीज रोमांच बनाना चाहते हैं, तो शायद आप यही चाहेंगे कि वह संन्यास से वापसी करें। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं होगा जब स्टोक्स ने संन्यास से वापसी की हो। 2022 में, वह इंग्लैंड के लिए 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप खेलने के लिए एकदिवसीय से वापस लौटे थे पर टीम अपना खिताब बचाने में असफल रही थी। स्टोक्स अभी इंग्लैंड की घरेलू 50-ओवर प्रतियोगिता में डरहम के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने लगातार नाबाद 108 और 73 रन की प्रभावशाली पारियां खेली हैं।

# राष्ट्रमंडल खेल : नीरज समेत तीन भारतीय भाला फेंक के फाइनल में, डेकाथलॉन और त्रिकूद में बढ़ीं पदक की उम्मीदें

ग्लास्गो। राष्ट्रमंडल खेलों के आठवें दिन अब तक भारत के खाते में कोई पदक नहीं जुड़ सका है। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने कई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिससे आगामी मुकाबलों में पदक की उम्मीदें बरकरार हैं। भारोत्तोलन में मार्टिना देवी मेबाम से पदक की उम्मीद थी, लेकिन वह महिला 86 किलोग्राम से अधिक भारवर्ग में पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं। वहीं पुरुष भाला फेंक में भारत को बड़ी सफलता मिली, जहां नीरज चोपड़ा सहित तीन भारतीय एथलीटों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। डेकाथलॉन में तेजस्विन शंकर ने दमदार प्रदर्शन किया, जबकि पुरुष त्रिकूद में प्रवीण चित्रावले और सेल्वा प्रभु ने भी फाइनल में प्रवेश कर लिया।

**भाला फेंक में भारत के तीनों खिलाड़ी फाइनल में**

एथलेटिक्स की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में भारत के तीनों एथलीट फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने क्वालिफिकेशन राउंड में 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवां स्थान हासिल कर फाइनल का टिकट कटाया।

नीरज के अलावा भारत के रोहित यादव और यशवीर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। रोहित यादव ने पहले प्रयास में 77.04 मीटर और दूसरे प्रयास में 78.37 मीटर का थ्रो किया। तीसरे प्रयास की आवश्यकता नहीं पड़ने पर उन्होंने उसे छोड़ दिया और नौवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

यशवीर ने पहले प्रयास में 73.89 मीटर तथा दूसरे प्रयास में 74.45 मीटर का थ्रो किया। शुरुआती दो प्रयासों के बाद उनके क्वालिफाई करने की संभावना कम नजर आ रही थी, लेकिन तीसरे और अंतिम प्रयास में उन्होंने 78.36 मीटर का शानदार थ्रो कर 10वां स्थान हासिल किया और फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

**त्रिकूद में चित्रावले और प्रभु ने दिखाई दमदार छलांग**

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी प्रवीण चित्रावले और सेल्वा प्रभु ने पुरुष त्रिकूद स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

चित्रावले ने अपने पहले और एकमात्र प्रयास में 16.41 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरी ओर सेल्वा प्रभु को शुरुआती दो प्रयासों में फाउल का सामना करना पड़ा, लेकिन अंतिम प्रयास में उन्होंने 16.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बना ली।

**विशाल टीके फाइनल से बाहर, तेजस्विन का शानदार प्रदर्शन**

पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी विशाल टीके फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। उन्होंने अपनी सेमीफाइनल हीट में 46.33 सेकेंड का समय लेकर छठा स्थान हासिल किया, जो उनके स्तर के मुकाबले निराशाजनक प्रदर्शन माना गया।

वहीं डेकाथलॉन में तेजस्विन शंकर ने लंबी कूद में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 7.82 मीटर की छलांग लगाई। इससे पहले वह 100 मीटर दौड़ में 10.96 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। पुरुष डेकाथलॉन शॉटपुट के ग्रुप-ए में उन्होंने 13.09 मीटर का थ्रो कर सातवां स्थान हासिल किया। तीन स्पर्धाओं के बाद तेजस्विन शंकर कुल अंक तालिका में पांचवें स्थान पर बने हुए हैं।

**भारोत्तोलन में मार्टिना देवी पदक से चूकीं**

भारतीय भारोत्तोलक मार्टिना देवी मेबाम महिला 86 किलोग्राम से अधिक भारवर्ग स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नैच में 105 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 140 किलोग्राम सहित कुल 245 किलोग्राम भार उठाया।

मार्टिना यदि क्लीन एंड जर्क के तीसरे प्रयास में 146 किलोग्राम भार सफलतापूर्वक उठा लेतीं तो वह कांस्य पदक अपने नाम कर सकती थीं, लेकिन यह प्रयास असफल रहने से उन्हें पदक से वंचित रहना पड़ा।

**ट्रैक साइकिलिंग में भी भारत को नहीं मिली सफलता**

भारतीय पैरा साइकिलिस्ट लिशा दास महिलाओं की सी4-सी5 4,000 मीटर व्यक्तिगत परसूट क्वालिफाइंग स्पर्धा में छठे और अंतिम स्थान पर रहने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालिफाई करने वाली भारत की एकमात्र पैरा ट्रैक साइकिलिस्ट तथा भारतीय दल की सबसे कम उम्र की 16 वर्षीय खिलाड़ी लिशा ने क्वालिफाइंग राउंड में 6 मिनट 58.000 सेकेंड का समय निकाला। इस दौरान उनकी औसत गति 34.450 किलोमीटर प्रति घंटा रही।

उधर, पुरुष टीम स्प्रिंट क्वालिफाइंग राउंड में भी भारत को निराशा हाथ लगी। रोजित सिंह यांगलेम, डेविड बेकहम और रोनाल्डो सिंह की भारतीय तिकड़ी 46.396 सेकेंड का समय लेकर सातवें और अंतिम स्थान पर रही तथा मेडल राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

प्रतियोगिता के प्रारूप के अनुसार क्वालिफाइंग राउंड में पहले और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचती हैं, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं। ऐसे में भारतीय टीम का अभियान क्वालिफाइंग चरण में ही समाप्त हो गया।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| AUSTRALIA | 47 | 21 | 35 | 103 |
| CANADA | 14 | 11 | 14 | 39 |
| ENGLAND | 12 | 27 | 17 | 56 |
| SCOTLAND | 9 | 7 | 7 | 23 |
| NIGERIA | 7 | 5 | 2 | 14 |
| SOUTH AFRICA | 6 | 8 | 8 | 22 |
| MALAYSIA | 6 | 2 | 3 | 11 |
| INDIA | 3 | 9 | 3 | 15 |
| NEW ZEALAND | 3 | 7 | 4 | 14 |
| JAMAICA | 3 | 0 | 1 | 4 |

### भारतीय वायुसेना ने श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को हराया, नाओरेम सोमनंदा सिंह का शानदार गोल

**रांची।** नाओरेम सोमनंदा सिंह के शानदार गोल और दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी के आत्मघाती गोल की मदद से भारतीय वायुसेना फुटबाल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप सी मुकाबले में श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को 2-1 से हराया। बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय वायुसेना के लिए नाओरेम ने 25वें मिनट में गोल किया, जबकि 68वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के के. डी. एस. संकल्पा ने गलती से गेंद अपने ही गोल में डाल दी। डिफेंडर्स की ओर से एन. एम. अफलाल ने 70वें मिनट में गोल किया। शुरुआत से ही दिखाया आक्रामक खेल भारतीय वायुसेना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और श्रीलंकाई टीम को लगातार दबाव में रखा। 25वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के डिफेंडर संपत कुमार की गलती का फायदा उठाते हुए नाओरेम ने बाक्स के बाहर से शानदार दाएं पैर का शाट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था। दूसरे हाफ में भी भारतीय वायुसेना का दबदबा कायम रहा। 68वें मिनट में बाएं छोर से आए खतरनाक क्रास को रोकने के प्रयास में संकल्पा ने गेंद अपने ही गोल में डाल दी और भारतीय टीम की बढ़त 2-0 हो गई। दो मिनट बाद हालांकि, अफलाल ने तेज जवाबी हमले पर गोल कर डिफेंडर्स की वापसी की उम्मीद जगाई। अंतिम क्षणों में डिफेंडर्स एफसी ने बराबरी के लिए जोर लगाया, लेकिन भारतीय वायुसेना ने संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल की।

# राष्ट्रमंडल खेल 2026 : दिलीप गावित ने जीता स्वर्ण, मोहम्मद बासिल को रजत

ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल ने इतिहास रच दिया। दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को ऐतिहासिक डबल पोडियम दिलाया।

दिलीप गावित ने 10.71 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकार्ड भी बन गया। वहीं मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ रजत पदक हासिल किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोत्तोलन में मीराबाई चानू और पैरा शाटपुट में शर्मिला धनकर भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकी हैं।

**संघर्ष से शिखर तक दिलीप गावित का सफर** - महाराष्ट्र के नासिक जिले के निकट स्थित छोटे से गांव तोरण डोंगरी में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। बचपन में वह अपने माता-पिता के साथ खेतों में काम करते थे।

महज पांच-छह वर्ष की उम्र में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई। समय पर उचित इलाज नहीं मिलने से चोट गैंगरीन में बदल गई और कोहनी के नीचे से उनका हाथ काटना पड़ा।

विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दिलीप ने हार नहीं मानी और पैरा एथलेटिक्स में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इसी वर्ष इंडिया ओपन और नई दिल्ली ग्रां प्री में स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी उनके नाम है। ग्लासगो में 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप और मोहम्मद बासिल का शानदार प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने एक साथ पोडियम पर स्थान बनाकर भारत का गौरव बढ़ाया और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के पदकों की संख्या में महत्वपूर्ण इजाफा किया।

# अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास, भावुक संदेश में कहा- हर शुरुआत का एक अंत होता है

नई दिल्ली

भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल रहाणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर अपने 20 वर्षों से अधिक लंबे क्रिकेट सफर को विराम देने का फैसला सुनाया। अपने संदेश में रहाणे ने कहा, ज़िंदगी की सच्चाई यही है कि हर शुरुआत का एक अंत होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया और उसकी अहमियत को समझा।

आज मुझे लगता है कि आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सहित खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का यही सही समय है। उन्होंने कहा, डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में अभ्यास करने के लिए सफर करने से लेकर भारत की टोपी पहनने तक, मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना था। मैंने हमेशा एक सिद्धांत अपनाया कि देश और टीम हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे। मैंने पूरी ईमानदारी से क्रिकेट खेला और हमेशा विश्वास किया कि यदि आपकी नीयत सही हो तो खेल आपका साथ देता है।

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अध्याय भले समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है। अब मैं अगली पीढ़ी की मदद करना चाहता हूं, उन्हें इस खेल से सीखे गए मूल्य देना चाहता हूं और क्रिकेट को कुछ लौटाना चाहता हूं, जिसने मुझे सब कुछ दिया।

उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ), मुंबई क्रिकेट संघ, अपने साथियों, कोचों, आईपीएल फ्रेंचाइज़ियों, पत्नी राधिका, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, मेरे करियर में जीत भी मिली और हार भी, गलतियां भी हुईं, लेकिन एक जगह मैं कभी नहीं हारा और वह आप सभी के दिल थे। आपने हमेशा मुझे अपना माना। आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। कैप नंबर 278, अब विदा लेता हूं।

**यादगार रहा रहाणे का करियर** - अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट सफर मुंबई से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने दूसरे रणजी ट्राफी सत्र में 1,000 से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और जल्द ही डरबन तथा वेलिंगटन में शानदार पारियों से खुद को स्थापित कर लिया। 2014 में लार्ड्स टेस्ट में खेली गई उनकी 103 रन की पारी भारत की 28 वर्षों बाद उस ऐतिहासिक मैदान पर पहली जीत की नींव बनी।

इसके बाद उन्होंने मेलबर्न, कोलंबो और दिल्ली में शतक जड़े तथा विदेशी दौरों पर कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। वर्ष 2020 के बाक्सिंग डे टेस्ट में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर लगाया गया उनका शतक भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे यादगार पारियों में गिना जाता है, जिसने आस्ट्रेलिया में भारत की ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत की नींव रखी।

2022 में टीम से बाहर होने के बाद रहाणे ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर वापसी की और 2023 की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल टीम में जगह बनाई। आस्ट्रेलिया के खिलाफ उस फाइनल में उन्होंने पहली पारी में 89 रन बनाकर भारत की ओर से सर्वाधिक स्कोर किया, जो उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच भी साबित हुआ। आईपीएल 2026 में वो केकेआर के कप्तान भी थे।

# मैसूर में होगा देश का पहला वरिष्ठ जीवनसाथी परिचय सम्मेलन

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज, अग्रवाल समाज मैसूर तथा अहमदाबाद स्थित अनुबंध फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 22 अगस्त को मैसूर के जे.एल.बी. रोड स्थित गुरु रेजीडेंसी में प्रातः 10 बजे से देश का पहला वरिष्ठ जीवनसाथी परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस अनूठे आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठ आयु वर्ग के अविवाहित, तलाकशुदा, विधवा एवं विधुर महिला-पुरुषों को सम्मानजनक वातावरण में नया जीवनसाथी चुनने का अवसर उपलब्ध कराना है। यह सम्मेलन देशभर के सनातन समाज के अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, वैश्य, ब्राह्मण सहित अन्य समाजों के 40 वर्ष या उससे अधिक आयु के अविवाहित, तलाकशुदा, विधुर एवं विधवा महिला-पुरुषों के लिए आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में प्रतिभागियों को एक-दूसरे से परिचित होने, विचार साझा करने और उपयुक्त जीवनसाथी के चयन का साझा मंच मिलेगा।

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने बताया कि आधुनिक जीवनशैली, व्यस्त दिनचर्या, आपसी गलतफहमियों, जीवनसाथी के असमय निधन तथा एकल परिवार व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के कारण औसत आयु 80 वर्ष से अधिक हो गई है, लेकिन इस आयु में पुनर्विवाह या जीवनसाथी की आवश्यकता पर चर्चा करना आज भी सामाजिक संकोच का विषय माना जाता है।

उन्होंने कहा कि इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए समाज को एक सकारात्मक और सम्मानजनक विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

समाज के मानद मंत्री श्याम चौधरी ने बताया कि सम्मेलन के उपरांत मध्यान्ह में दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की वार्षिक बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी।दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के सह मंत्री महेश अग्रवाल ने समाज के सभी बंधुओं से आग्रह किया कि वे इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं तथा ऐसे जरूरतमंद अविवाहित, तलाकशुदा, विधवा एवं विधुर महिला-पुरुषों को सम्मेलन में पंजीकरण के लिए प्रेरित करें, ताकि वे भी अपने जीवन की नई शुरुआत कर सकें।

# सेवा का पर्याय बन चुका है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : स्वाति अग्रवाल

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वाति अग्रवाल ने कहा कि "राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा का पर्याय बन चुका है। इस संस्था के माध्यम से समाज की निस्वार्थ सेवा करने का जो अवसर मिला है, वह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़ना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवा सहयोगियों ने जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया तथा समाज में सेवा, सहयोग और मानवता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं स्वाति अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# वाइब्रेंट निसान गच्चीबावली में लॉन्च हुई ऑल न्यू निसान टेक्टॉन

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गच्चीबोउली स्थित वाइब्रेंट निसान शोरूम में निसान की बिल्कुल नई प्रीमियम सी-एसयूवी निसान टेक्टॉन का भव्य अनावरण किया गया। निसान की प्रतिष्ठित निसान गश्त/पैट्रोल से प्रेरित डिज़ाइन वाली यह प्रीमियम कार दो प्रमुख वेरिएंट्सटी160 एवं टी280 में उपलब्ध है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.49 लाख रखी गई है।

यह एसयूवी इन-बिल्ट गूगल की आधुनिक कनेक्टिविटी सुविधाओं के साथ आती है, जो चालकों को एक सीमलेस और कनेक्टेड ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है।

इस भव्य लॉन्च समारोह का उद्घाटन वाइब्रेंट मोबिलिटी ग्रुप के प्रबंध निदेशक सिराज बाबूखान, निदेशक बशीर बाबू खान, प्रसिद्ध अभिनेत्री स्रवंती चोकरपू, अभिनेता मानस और अभिनेता गीतानंद सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

# भारत में सीएसआर इकोसिस्टम 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने का अनुमान: डॉ. भास्कर चटर्जी

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारत के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) ढांचे के मुख्य वास्तुकारों में से एक, डॉ. भास्कर चटर्जी (पूर्व IAS) ने कहा है कि देश का सीएसआर इकोसिस्टम अगले तीन वर्षों में 75,000 करोड़ तक पहुंचने और अंततः 1 लाख करोड़ को पार करने की उम्मीद है।

यह बात उन्होंने हैदराबाद के हायटेक सिटी स्थित यशोदा हॉस्पिटल्स में इक्विप द्वारा आयोजित "सीएसआर मीट्स द सोशल स्टॉक एक्सचेंज: ए जर्नी अहेड" नामक एक विशेष ज्ञान सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कही।

डॉ. चटर्जी ने बताया कि 2013 में सीएसआर प्रावधान लागू होने के समय लगभग 8,000 कंपनियां इसके दायरे में थीं, जो 9,000 करोड़ का योगदान देती थीं। आज 30,000 से अधिक कंपनियां सीएसआर के तहत सालाना 40,000 करोड़ से अधिक का योगदान दे रही हैं।

ग्रेस कैंसर फाउंडेशन की घोषणा: ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने की तैयारी की घोषणा की। इसके तहत संस्था 100% अख-संचालित मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग यूनिट्स तैनात करने, 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी' स्थापित करने और राष्ट्रीय स्तर पर कैंसर और गैर-संचारी रोगों की जांच का विस्तार करने जा रही है।

सोशल स्टॉक एक्सचेंजका नया अवसर: डॉ. चटर्जी ने बताया कि कंपनियां अब अपने वार्षिक सीएसआर खर्च का 10% तक SSE पर सूचीबद्ध जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल उपकरणों में निवेश कर सकती हैं, जिससे पारदर्शी और जवाबदेह सामाजिक वित्तपोषण का नया रास्ता खुला है।

सुदृढ़ संस्थागत ढांचा: ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिन्नाबाबू सुंकावल्ली ने कहा कि एसएसई पर लिस्टिंग का उद्देश्य केवल धन जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और मापने योग्य सामाजिक प्रभाव सुनिश्चित करना है।

इस सत्र में 100 से अधिक कॉर्पोरेट लीडर्स, एनजीओ प्रतिनिधियों, और प्रभाव निवेशकों के साथ-साथ इक्विप के संस्थापक श्री लक्ष्मी नारायण और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की आत्मकथा 'विंग्स ऑफ फायर' के सह-लेखक प्रो. अरुण तिवारी भी मौजूद थे।

# सेवा परमो धर्म संस्था का नागोली दुर्गा स्कूल में सेवा कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा परमो धर्म संस्था द्वारा जी.पी.एस. सर्विस स्ट्रीट स्थित नागोली दुर्गा स्कूल (सेंट एंथोनी हाई स्कूल के पास) में सेवा कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। संस्था ने स्कूल को दो अलमारियाँ तथा एक अग्निशामक यंत्र भेंट किए। कार्यक्रम में संस्था के लगभग 30 सदस्यों ने सक्रिय भाग लिया। स्कूल के अध्यापकों एवं बच्चों ने संस्था के इस योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।समापन पर संस्था की शाखा सदस्य शीतल जैन ने सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

# गुरु पूर्णिमा पर श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजेंद्र नगर स्थित भवानी कॉलोनी के श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता एवं श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में साईं बाबा की प्रतिमा के दाता श्री सनम श्रीनिवास गौड़ ने मंदिर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ विशेष पूजा-अर्चना में भाग लेकर साईं बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।अवसर पर श्री धनंजय जोशी, मंदिर के पुजारी पंडित गणेश जोशी महाराज तथा मंदिर समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

# शांति सामायिक जोन में श्रद्धापूर्वक हुआ सामायिक आयोजन

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में संचालित 25 सामायिक जोनों में से नेरेडमेट स्थित शांति सामायिक जोन द्वारा गुरुवार को श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में सामायिक का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्री सुरेशजी एवं श्रीमती पुष्पा पोरवाल के निवास पर दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा णमोकार (नमस्कार) महामंत्र के सामूहिक जप से हुआ। इसके पश्चात मंगल भावना का पाठ किया गया। आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में भिक्षु स्वामी की प्रेरणादायी गीतिकाओं का संगान किया गया। साथ ही चौबीसी एवं पंच परमेष्ठी गीतिका का भी सामूहिक गायन किया गया।इस अवसर पर नगर में विराजमान मुनि श्री दीप कुमारजी एवं मुनि श्री काव्य कुमारजी के चातुर्मासिक प्रवास की जानकारी देते हुए श्रीमती पूनम जैन ने बताया कि शांति सामायिक जोन की बहनों ने पूरे चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन सामूहिक प्रतिक्रमण करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि यह आध्यात्मिक साधना आत्मशुद्धि एवं धर्म साधना को और अधिक सशक्त बनाएगी। कार्यक्रम में लगभग 10 श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। अंत में श्रीमती पूनम जैन ने सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी सदस्यों द्वारा एक स्वर में "सबका साथ, मंडल का विकास" का नारा लगाने के साथ हुआ। आयोजन का वातावरण पूरे समय धर्म, साधना एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा।

**गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य मे दादावाड़ी मे चातुर्मास मे विराजित खरतर गच्छाधीपती आचार्य श्री जिनमणीप्रभ सुरीश्वरजी महाराज साहेब आदि ठाणा को वंदन कर आशीर्वाद लेते हुए प्राणी मित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के मंत्री रिद्धिश जागीरदार, सलाहकार मुकेश जैन चौहान।**

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### कई शहरों में...

और लोगों से घरों के भीतर रहने की अपील की गई है। लगातार फैलती हिंसा के बीच पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। कई स्थानों पर भीड़ पुलिस पर भारी पड़ती दिखाई दी, जिसके बाद हालात संभालने के लिए सेना को आगे आना पड़ा।

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हिंसा फैलाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वहीं विपक्ष और स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि शुरुआती चरण में प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण स्थिति और अधिक बिगड़ गई।हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जमीनी स्तर पर हालात संभालने के बजाय बैठकों, समीक्षा और बयानबाजी तक सीमित रही।हालांकि सरकार ने लगातार उच्चस्तरीय बैठकें कर शांति बनाए रखने की अपील की है तथा हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

### लौटते ही हसीना ...

तो उन्होंने कहा, यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं। जब भी वह हमारे अधिकार क्षेत्र में आएंगी, कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।अगस्त 2024 में बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। इसके बाद वह भारत आ गई थीं।अंतरिम सरकार के सत्ता संभालने के बाद एक विशेष अदालत ने आतंकवाद निरोधी कानून के तहत जारी कार्यकारी आदेश के आधार पर शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को भंग कर दिया था।

नवंबर 2025 में छात्रों के नेतृत्व वाले 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में कथित भूमिका को लेकर इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराते हुए उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई थी।

### अब...

डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि यह कानून केवल राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके दायरे में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) तथा बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं भी आएंगी।

उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। राधाकृष्णन समिति की 46 प्रमुख सिफारिशों में से 37 पहले ही लागू की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की अधिकांश घटनाएं राज्य स्तर पर हुई हैं, एनटीए स्तर पर नहीं। कोचिंग उद्योग और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने संबंधी सुझावों का भी सरकार स्वागत करती है। इस दिशा में नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स भी गठित की गई है।

विधेयक के कुछ प्रावधानों पर विपक्षी सांसद जॉन ब्रिटास, ए.ए. रहीम, हरीश बीरान और संतोष कुमार पी ने संशोधन नोटिस दिए थे, लेकिन मतदान के समय वे सदन में उपस्थित नहीं थे। वहीं पी. विल्सन और तिरुचि शिवा द्वारा प्रस्तुत संशोधन प्रस्ताव मतदान में अस्वीकृत हो गए। इसके बाद राज्यसभा ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। चूंकि यह विधेयक पहले ही लोकसभा से मंजूरी प्राप्त कर चुका है, इसलिए अब राष्ट्रपति की स्वीकृति एवं अधिसूचना जारी होने के बाद यह कानून के रूप में लागू हो जाएगा।

**विपक्ष ने उठाए सवाल, कहा रोकथाम नहीं, केवल सजा पर जोर**

विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों ने सरकार की मंशा और परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाए। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तक कई नेताओं ने कहा कि सरकार पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के बजाय केवल दंड के प्रावधानों पर जोर दे रही है। राजद सांसद प्रो. मनोज कुमार झा ने कहा कि ऐसे कॉस्मेटिक सुधार पर्याप्त नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि समस्या की जड़ पर प्रहार करना होगा और इसके लिए परीक्षा प्रणाली के स्रोत में सुधार आवश्यक है। वहीं संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार को स्वयं भरोसा नहीं है कि वह ऐसी परीक्षा आयोजित करा सकेगी, जिसमें पेपर लीक न हो।

**गृह मंत्री की अनुपस्थिति पर विपक्ष का वॉकआउट**

चर्चा समाप्त होने से पहले राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सभी विपक्षी सदस्यों ने एक ही मुद्दा उठाया और उन्हें उम्मीद थी कि चर्चा के समापन पर गृह मंत्री सदन में उपस्थित होकर जवाब देंगे।

गृह मंत्री की अनुपस्थिति पर विपक्षी सदस्यों ने गृह मंत्री सदन में आओ के नारे लगाए और सदन से वॉकआउट कर दिया।विपक्ष के वॉकआउट पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विपक्ष पूरी तरह मुद्दाविहीन हो चुका है। उन्होंने कहा कि सत्तापक्ष ने सभी सदस्यों की बातें गंभीरता से सुनीं, लेकिन जवाब सुनने से पहले ही विपक्ष का सदन छोड़कर चले जाना गैर-जिम्मेदाराना आचरण है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए सदैव तैयार है और लोकतांत्रिक परंपराओं का पूरी निष्ठा से पालन कर रही है।

### खड़गे मर्यादा...

छात्र के हाथ में चोट आई, किसी के कान घायल हुए और किसी का पैर टूट गया। उन्होंने कहा कि इसके लिए गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। विपक्षी सांसदों की मेज थपथपाने के बीच खड़गे ने कहा कि, आप बंद कमरे में रहकर मेरी बात सुन रहे होंगे, लेकिन बंद कमरे में बहुत दिन छिप नहीं सकते। एक दिन हम बाहर खींचकर लाएंगे और जनता के सामने दिखाएंगे। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने तीव्र आपत्ति जताई, जिसके कारण सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया।

सत्ता पक्ष की ओर से सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता को भावावेश में आकर ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, जो असंसदीय हों। उन्होंने सभापति से खड़गे की टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग की।

नड्डा ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है और ऐसी भाषा संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है।विवाद बढ़ने पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी असंसदीय शब्दों का प्रयोग नहीं किया।

उन्होंने कहा, हम का अर्थ मैं या कांग्रेस नहीं, बल्कि जनशक्ति और विद्यार्थी हैं। मेरा मतलब यह नहीं था कि हम जाकर किसी को बाहर निकालेंगे। मेरा आशय था कि जनता आपको बाहर लाएगी। कम से कम सदन में आकर बैठिए, चर्चा सुनिए और जवाब दीजिए।

**छात्रों पर बल प्रयोग का मुद्दा उठाया**

खड़गे ने दावा किया कि दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन के दौरान 100 से अधिक छात्र घायल हुए। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को गंभीर चोटें आईं और कुछ के शरीर तथा आंखों में पैलेट गन के छर्रे लगे।उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को देखकर उन्हें शर्म महसूस होती है और सवाल किया कि क्या सरकार को भी इस पर शर्म आई है।

**अमित शाह के इस्तीफे की मांग**

अपने संबोधन के दौरान खड़गे ने 20 जुलाई को छात्रों पर हुए कथित बल प्रयोग की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफा देने की मांग भी की।

एंटी पेपर लीक विधेयक पर बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार ने नए विधेयक में केवल आंकड़े बदले हैं। उन्होंने कहा कि अधिक जुर्माना, कड़ी सजा और विशेष टास्क फोर्स बनाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।खड़गे ने कहा कि असली जरूरत परीक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की है, ताकि पेपर लीक जैसी घटनाएं रोकी जा सकें। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने वर्ष 2024 में ही इस संबंध में कई सुझाव दिए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय लोकसभा चुनाव सामने होने के कारण सरकार राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से जल्दबाजी में कानून लाई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान लगातार पेपर लीक का मुद्दा उठा रहे थे। खड़गे ने कहा कि सरकार को मात्र दो वर्ष के भीतर ही इस कानून में संशोधन करना पड़ रहा है, जिससे स्पष्ट है कि पहले लाया गया कानून पर्याप्त प्रभावी नहीं था।

### जंतर-मंतर...

इसी तकनीक का उपयोग करते हुए जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान 2,873 चेहरों की पहचान किए जाने का दावा किया गया है। हालांकि, किसी व्यक्ति की भीड़ में मौजूदगी और उसके किसी अपराध या हिंसक गतिविधि में शामिल होने के बीच कानूनी रूप से स्पष्ट अंतर होता है। इसलिए केवल पहचान के आधार पर किसी व्यक्ति की भूमिका तय नहीं की जा सकती।

जंतर-मंतर प्रदर्शन के आंकड़े सामने आने के बाद यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि क्या इन आंकड़ों के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ऐसे लोग मौजूद थे, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज होना और किसी अपराध में दोष सिद्ध होना दो अलग-अलग कानूनी स्थितियां हैं। ऐसे में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच और न्यायिक प्रक्रिया का इंतजार आवश्यक है।

**संसद पर यही पैमाना लागू हो तो?**

जंतर-मंतर प्रदर्शन के संदर्भ में आपराधिक रिकॉर्ड के आंकड़े सामने आने के बाद यही सवाल देश की संसद को लेकर भी उठाया जा रहा है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के आंकड़ों के अनुसार, लोकसभा के 251 सांसदों, यानी लगभग 46 प्रतिशत सांसदों, ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की जानकारी अपने शपथपत्र में दी है।

इनमें से 170 सांसदों, यानी लगभग 31 प्रतिशत, के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर मामलों सहित गंभीर आपराधिक आरोप दर्ज हैं।

**एडीआर के अनुसार**

16 लोकसभा सांसदों के खिलाफ महिलाओं से संबंधित अपराधों के मामले दर्ज हैं।

इनमें दो सांसदों के खिलाफ दुष्कर्म के मामले हैं।

चार सांसदों के खिलाफ अपहरण के मामले दर्ज हैं।

43 सांसदों के खिलाफ घृणास्पद भाषण (हेट स्पीच) से जुड़े मामले दर्ज हैं।

**राज्यसभा के 73 सांसदों पर भी आपराधिक मामले**

एडीआर के अनुसार राज्यसभा के 73 सांसदों के खिलाफ भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 36 सांसदों, यानी लगभग 16 प्रतिशत, पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। इनमें- एक सांसद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज है। चार सांसदों के खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले हैं। तीन सांसदों के खिलाफ महिलाओं से संबंधित अपराधों के मामले दर्ज हैं।

**आरोप और दोष सिद्ध होने में बड़ा अंतर**

जंतर-मंतर पर पहचाने गए लोगों और सांसदों से जुड़े ये सभी आंकड़े उन मामलों को दर्शाते हैं, जिनमें आरोप दर्ज हैं या मुकदमे लंबित हैं। किसी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज होना और अदालत द्वारा उसे दोषी ठहराया जाना दो अलग-अलग कानूनी स्थितियां हैं।

ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न केवल यह नहीं है कि फेस रिकग्निशन सिस्टम ने भीड़ में कितने लोगों की पहचान की, बल्कि यह भी है कि उनमें से कितने लोग वास्तव में किसी हिंसा या अवैध गतिविधि में शामिल थे और जांच के दौरान उनके खिलाफ कौन-कौन से ठोस साक्ष्य सामने आते हैं।

### कल बड़े ...

यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर एक महीने के भीतर उनके रुख में इतना बड़ा बदलाव क्यों आया।

जून महीने में दिए गए एक साक्षात्कार में इमरान मसूद ने असदुद्दीन ओवैसी को अपना बड़ा भाई बताया था। साथ ही उन्होंने चंद्रशेखर आजाद को अपना मित्र और हमदर्द कहा था।उस समय उन्होंने कहा था कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को कोई भी दल अकेले पराजित नहीं कर सकता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ आए बिना भाजपा को हराना संभव नहीं है।

इमरान मसूद ने उस दौरान भाजपा को सांप्रदायिक बताया था, लेकिन ओवैसी को सांप्रदायिक कहने से परहेज किया था। कांग्रेस के अन्य नेताओं द्वारा एआईएमआईएम को भाजपा की बी-टीम कहे जाने के बावजूद उन्होंने ओवैसी के साथ गठबंधन की संभावना को पार्टी का निर्णय बताया था। कांवड़ यात्रा को लेकर एआईएमआईएम नेताओं की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए इमरान मसूद ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का विषय है और इस पर अनावश्यक विवाद खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र सहारनपुर में जगह-जगह उनके नाम से कांवड़ शिविर लगाए गए हैं और श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए बोर्ड भी लगाए गए हैं। ऐसे में इस धार्मिक यात्रा को लेकर अनावश्यक बयानबाजी उचित नहीं है।हाल के दिनों में असदुद्दीन ओवैसी ने सहारनपुर में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया था, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की मुस्लिम राजनीति पर सवाल उठाए थे।

उत्तर प्रदेश में लगातार सक्रिय हो रहे ओवैसी ने कांवड़ यात्रा से जुड़े सरकारी प्रबंधों और नीतियों पर भी सवाल उठाए हैं, जिसके बाद दोनों दलों के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

एआईएमआईएम के प्रवक्ता शादाब चौहान ने कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जहां ईद की नमाज को लेकर प्रशासन सख्ती दिखाता है, वहीं कांवड़ यात्रा के लिए मार्ग परिवर्तित किए जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया था कि कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ लोग नशे की हालत में भी चलते हैं, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि बुलडोजर कार्रवाई केवल मुस्लिम समुदाय के खिलाफ ही क्यों दिखाई देती है।

शादाब चौहान ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस की दुकानों को बंद कराने के आदेश पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यदि सावन के महीने में आस्था के आधार पर मांस की बिक्री पर रोक लगाई जा सकती है तो क्या रमजान के दौरान शराब की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा?

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिंदी शुभ लाभ शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 हैदराबाद

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से
जुड़ी कोई भी समस्या
का समाधान इस
मो. 8688868345 से पाएं।

### अग्रवाल शिक्षा समिति एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के संयुक्त तत्वावधान में

# नशा मुक्त युवा भारत कार्यक्रम आयोजित

## ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर श्रीनिवास राव ने नार्को आतंकवाद के खतरे से किया आगाह, विद्यार्थियों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल शिक्षा समिति एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्त युवा भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को समिति के सेडमल हॉल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर श्री पी. श्रीनिवास राव, अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, अग्रवाल समाज तेलंगाना की शपथ टीम के चेयरमैन श्री रामनिवास बंसल तथा जनसंपर्क अधिकारी श्री सुनील अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का भव्य आयोजन समिति के मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

**नार्को आतंकवाद देश के लिए गंभीर चुनौती : श्रीनिवास राव**

मुख्य वक्ता श्री पी. श्रीनिवास राव ने कहा कि एलाइट एक्शन (ELITE ACTION) ग्रुप का उद्देश्य तेलंगाना के विद्यार्थियों को नशे से दूर रखना, उनमें जागरूकता फैलाना तथा उनकी आंतरिक प्रतिभा को सही दिशा देना है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपनी आंतरिक शक्ति को नहीं पहचानता, वह अक्सर गलत मार्ग पर चला जाता है, जबकि आज की युवा पीढ़ी अत्यंत प्रतिभाशाली है और प्रत्येक युवा का अपना एक लक्ष्य होना चाहिए।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारत नशे की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। माता-पिता एवं गुरु के ज्ञान का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि अच्छा ज्ञान छोटों से मिले या बड़ों से, उसे अवश्य ग्रहण करना चाहिए तथा नकारात्मक बातों को स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने आतंकवाद और नार्को आतंकवाद पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पड़ोसी देशों में नशीले पदार्थों की खेती कर जल, थल एवं ड्रोन के माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मादक पदार्थ पहुंचाए जा रहे हैं। देश के कई राज्यों में भी अवैध फैक्ट्रियों के माध्यम से नशीले पदार्थों का निर्माण कर अर्जित धन का उपयोग देश एवं युवा पीढ़ी को नुकसान पहुंचाने तथा हथियार तैयार करने में किया जा रहा है। यही नार्को आतंकवाद है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए गए नशा मुक्त भारत अभियान को तेलंगाना सरकार ने मिशन परिवर्तन के रूप में आगे बढ़ाया है, जिसके तहत ईगल फोर्स की टीमें दिन-रात इस अभियान में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शपथ टीम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना तथा उन्हें सुरक्षित भविष्य की ओर प्रेरित करना है।श्री राव ने ऐसे अनेक विद्यार्थियों के उदाहरण प्रस्तुत किए जिन्होंने नशे की लत के कारण अपना भविष्य बर्बाद कर लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी क्षमता पहचानने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा समय का सदुपयोग करते हुए नशे से स्वयं भी दूर रहने और दूसरों को भी बचाने का आह्वान किया।

**अनुशासन और लक्ष्य ही सफलता की कुंजी : प्रमोद कुमार केडिया**

अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि शपथ टीम द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि मुख्य वक्ता ने माता-पिता, गुरु और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को अत्यंत प्रभावी ढंग से समझाया है।

उन्होंने विद्यार्थियों से गलत संगति से दूर रहने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया ताकि वे परिवार, समाज और देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए शपथ टीम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

**मित्रों के दबाव में न करें नशे की शुरुआत : दिव्या अग्रवाल**

शपथ टीम की सोशल मीडिया निर्देशिका श्रीमती दिव्या अग्रवाल ने कहा कि अधिकांश विद्यार्थी मित्रों के दबाव अथवा जिज्ञासावश नशीले पदार्थों का सेवन प्रारंभ करते हैं। कोई भी बुरी आदत पहली बार से शुरू होकर धीरे-धीरे जीवन का हिस्सा बन जाती है और एक छोटी-सी गलती पूरे जीवन को बर्बाद कर सकती है। उन्होंने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने मुख्य वक्ता श्री पी. श्रीनिवास राव को शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वहीं शपथ टीम की निर्देशिका श्रीमती दिव्या अग्रवाल ने अग्रवाल समाज तेलंगाना की श्रीमती सीमा जैन का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए नशीले पदार्थों को ना, जीवन को हाँ विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने नशा विरोधी जागरूकता विषय पर अपने विचार भी व्यक्त किए।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में अग्रवाल समाज तेलंगाना की मानद मंत्राणी श्रीमती सीमा जैन तथा अग्रवाल शिक्षा समिति के संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल मंचासीन रहे।

इस अवसर पर समिति की सी.ए.ओ. श्रीमती आराधना मोदानी, अग्रवाल बॉयज जूनियर कॉलेज के प्राचार्य श्री उमेश कुमार सहित कार्यालय के सदस्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के संयुक्त सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्रीमती रितु बत्रा एवं श्रीमती प्रियंका चौहान ने संयुक्त रूप से किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्रीमती प्रीति अनुप्रीता ने किया। कार्यक्रम में संस्थाओं के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

# मानवता की निस्वार्थ सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना, राधे-राधे ग्रुप समाज के लिए बना प्रेरणा : महेश गुप्ता

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं असहाय लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेते हुए मानवता की सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर महेश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद मानवता की निस्वार्थ सेवा का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और यही सच्ची ईश्वर भक्ति है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने समय, श्रम और संसाधनों का एक भाग सेवा कार्यों के लिए अवश्य समर्पित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग मिलकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तब जरूरतमंदों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार होता है। महेश गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग, भाईचारा और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का कार्य भी निरंतर कर रहा है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन सेवा कार्यों में जुटे रहते हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी इस सेवा अभियान से जुड़कर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां बांटने का प्रयास करें। र्यक्रम के दौरान राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, रोहित अग्रवाल एवं सुमन अग्रवाल सहित अनेक सेवा भावियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया। अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के माध्यम से अन्नदान, गौसेवा, जनकल्याण एवं अन्य सामाजिक सेवा कार्यों को निरंतर गति प्रदान की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके।

# बोनालू महोत्सव के सफल आयोजन के लिए मंदिर समितियों को वितरित किए गए अनुदान के चेक

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

बोनालू महोत्सव के भव्य एवं सफल आयोजन के उद्देश्य से गुरुवार को बोगुलकुंटा स्थित एंडोमेंट (देवदाय) विभाग के कार्यालय में घोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों की प्रबंध समिति के सदस्यों को अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के एमएलसी शंकर नायक, घोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह, एंडोमेंट विभाग के अधिकारी, विभिन्न मंदिरों की समिति के सदस्य तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी मंदिर समितियों को बोनालू महोत्सव को धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सौहार्द के साथ भव्य रूप से आयोजित करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर विधायक टी. राजा सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी को बोनालू महोत्सव का वास्तविक महत्व और उद्देश्य समझाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मंदिर समिति के सदस्यों एवं एंडोमेंट विभाग के अधिकारियों से आग्रह किया कि प्रत्येक मंदिर के बाहर एक सूचना-बैनर लगाया जाए, जिसमें बोनालू उत्सव की धार्मिक मान्यता, इतिहास और उद्देश्य का स्पष्ट उल्लेख हो। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं और श्रद्धालुओं को इस पारंपरिक पर्व के वास्तविक स्वरूप और सांस्कृतिक महत्व की सही जानकारी प्राप्त होगी।

विधायक राजा सिंह ने कहा कि बोनालू महोत्सव माता महाकाली के प्रति श्रद्धा, आस्था और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है। इस अवसर पर श्रद्धालु माता से अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, सुख-समृद्धि तथा महामारी एवं अन्य बीमारियों से समाज की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है।टी. राजा सिंह ने कहा कि दुर्भाग्यवश आज कुछ युवाओं के बीच बोनालू उत्सव की गलत छवि बनती जा रही है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, मंदिर समितियों और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों से आह्वान किया कि वे संयुक्त रूप से युवाओं को बोनालू महोत्सव का सही इतिहास, उद्देश्य और धार्मिक महत्व बताने का अभियान चलाएं, ताकि यह पावन परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक अपनी मूल गरिमा और सांस्कृतिक पहचान के साथ सुरक्षित बनी रहे।

# सीता सामायिक जोन में श्रद्धापूर्वक हुआ सामायिक का आयोजन

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में सीता सामायिक जोन द्वारा गुरुवार को श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में सामायिक का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम श्री मनोज डागा एवं श्रीमती सरिता डागा के निवास स्थान पर दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार (नमस्कार) महामंत्र के सामूहिक जाप से हुआ। इसके पश्चात आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में सभी बहनों ने श्रद्धाभाव के साथ ''ॐ भिक्षु, जय भिक्षु'' का सामूहिक जाप किया।

मंगल भावना के पश्चात श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से चौबीसी का संगान किया। इसके बाद सभी बहनों ने 25 बोल पर सारगर्भित चर्चा करते हुए उनके आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक महत्व पर विचार-विमर्श किया।

चातुर्मास के पावन अवसर पर उपस्थित सभी बहनों ने त्याग, तपस्या एवं नियमित प्रतिक्रमण करने का सामूहिक संकल्प लिया।

उन्होंने आत्मशुद्धि, संयम और धर्म साधना को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का भी संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम में लगभग 17 बहनों ने सहभागिता निभाई। सम्पूर्ण आयोजन श्रद्धा, साधना एवं आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत वातावरण में सम्पन्न हुआ।

# श्री खेमदास मठ में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संत परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए विशेष पूजा-अर्चना, गुरु वंदना एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान श्री दयाल हरिपुरुष जी महाराज, परमहंस संत पंडित गणेश नारायण जी महाराज, पूज्य संत खेमदास जी महाराज तथा वचन सिद्ध बालकदास जी महाराज की चरण पादुकाओं का वैदिक विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। इसके पश्चात गुरु प्रतिमाओं के समक्ष चरण पादुकाओं की स्थापना कर

श्रद्धालुओं ने गुरु वंदना की।इस अवसर पर श्री खेमदास मठ के मठाधीपति डॉ. मनुदास जी महाराज का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा श्रद्धालुओं ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत सभी देवी-देवताओं को भोग अर्पित कर भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में महासर माता भक्त मंडल एवं पंडित गणेश नारायण फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर परामर्शदाता श्री शशिकांत अग्रवाल, अमरनाथ केडिया, दीनबंधु अग्रवाल, विकास मोदी, राजकुमार अग्रवाल, टी. ओमप्रकाश सिंह, विनय जैन, दिनेश अग्रवाल, सतीश सोंथलिया, गोपाल सोंथलिया, शिशिर केडिया, गोपाल अग्रवाल, वेणुगोपाल भालोठिया, श्रवण सोंथलिया, विकास केडिया सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान पंडित सुनील शर्मा (सोनू महाराज) एवं पंडित अजय शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न कराए। इस दौरान पुजारी धर्मदास, राजेश शर्मा, प्रदीप पंडित तथा संदीप पाठक ने भी आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह के समापन पर मठाधीपति डॉ. मनुदास जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं।

## रिश्तों का कत्ल: विकाराबाद में रक्षक बना भक्षक, 14 वर्षीय बेटी से साल भर दरिंदगी करने वाला कलयुगी पिता गिरफ्तार

**विकाराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जिला मुख्यालय स्थित राजीव गृहकल्प कॉलोनी से पिता-पुत्री के पवित्र रिश्ते को तार-तार कर देने वाली एक अत्यंत दर्दनाक एवं खौफनाक घटना सामने आई है। जिस पिता को अपनी संतान की ढाल बनकर उसकी सुरक्षा करनी थी, वही काल बनकर उसकी मासूमियत का सौदा करता रहा।

आरोपी पिता अपनी 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 वर्षीय बेटी को मोबाइल पर अश्लील तस्वीरें/वीडियो दिखाकर और जान से मारने की लगातार धमकी देकर पिछले एक साल से दुष्कर्म कर रहा था।

यह खौफनाक दास्तान 27 जुलाई को तब सामने आई जब पीड़िता स्कूल पहुँची।

कक्षा के दौरान छात्रा मानसिक रूप से गंभीर तनाव, पेट दर्द और अत्यधिक भय में दिख रही थी। बच्ची के असामान्य व्यवहार को देखकर स्कूल की एक संवेदनशील शिक्षिका ने उसे अकेले में ले जाकर प्यार और सुरक्षा का भरोसा दिलाया। शिक्षिका के ढांढस बंधाते ही बिलख-बिलख कर रो पड़ी मासूम ने अपने ही पिता की हैवानियत का पूरा कच्चा चिट्ठा खोल दिया।

शिक्षिका ने बिना एक पल गंवाए तुरंत स्कूल प्रशासन, परिजनों और बाल कल्याण समिति को सूचित किया, जिसके बाद विकाराबाद पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता की संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत (रिमांड) में जेल भेज दिया गया।

पीड़ित बालिका का चिकित्सीय परीक्षण कराने के उपरांत उसे मानसिक संबल, सुरक्षा और विशेषज्ञ काउंसलिंग प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के 'भरोसा सेंटर' में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया गया है और फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाकर अदालत में जल्द से जल्द मजबूत आरोप-पत्र दाखिल किया जाएगा।

**समाज के लिए यह एक घटना नहीं बडा.करारा तमाचा**

विकाराबाद में घटी हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर संपूर्ण सभ्य समाज को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जिस पिता को अपनी बेटी के लिए ढाल बनना था, वही काल बनकर उसकी मासूमियत का सौदा करता रहा। यह केवल एक आपराधिक मामला या पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर भर नहीं है, बल्कि यह समाज के उस सबसे मजबूत और भरोसेमंद ताने-बाने पर सीधा प्रहार है, जिस पर हमारी पूरी पारिवारिक व्यवस्था टिकी है, यह घटना समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कानून और पुलिस प्रशासन अपना काम करेंगे और आरोपी को सख्त सजा दिलाई जाएगी, लेकिन समाज के तौर पर हमें अपने भीतर झांकना होगा।

हमें एक ऐसा माहौल तैयार करना होगा जहाँ बच्चियों को घर के भीतर और बाहर दोनों जगह पूर्ण सुरक्षा का अहसास हो। पिता-पुत्री के रिश्ते की मर्यादा, वात्सल्य और पवित्रता को बनाए रखना केवल एक परिवार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज की पहली शर्त है।

# तेलंगाना बॉर्डर पर चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली का खेल?

### वायरल वीडियो के बाद उठे सवाल, ट्रक चालक ने सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग

**कामारेड्डी, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना सीमा पर चेकिंग के नाम पर ट्रक एवं लॉरी चालकों से कथित अवैध वसूली किए जाने के आरोपों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि कामारेड्डी क्षेत्र में कुछ लोग स्वयं को पुलिसकर्मी बताकर ट्रक चालकों से पैसे वसूल रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल वीडियो में एक ट्रक चालक मौके पर मौजूद लोगों से उनकी पहचान, वर्दी और वसूली के संबंध में सवाल पूछता दिखाई देता है। वीडियो में दावा किया गया है कि संबंधित व्यक्तियों के पास नेम बैज नहीं था और वे निर्धारित पुलिस वर्दी में भी नहीं थे। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है।वीडियो साझा करने वाले राजस्थान के बीकानेर जिले के निवासी ट्रक चालक श्यामलाल ने अपने फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया कि तेलंगाना में प्रवेश करते ही पुराने बॉर्डर चेक प्वाइंट पर एक्साइज जांच के नाम पर ट्रक चालकों से 20 से 200 तक की अवैध वसूली की जा रही है। उनका दावा है कि उनसे भी 200 की मांग की गई, जिसके बाद उन्होंने पूरी घटना अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली। श्यामलाल के अनुसार, पैसे मांगने वाले व्यक्ति के पास न तो नेम प्लेट थी और न ही वह पूरी पुलिस वर्दी में था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर एक निजी व्यक्ति भी मौजूद था। विरोध करने पर कथित प्रभारी अधिकारी मौके पर पहुंचे और उनसे बातचीत की। ट्रक चालक का कहना है कि उन्होंने अधिकारियों को बुलाने की मांग करते हुए कुछ समय तक विरोध भी दर्ज कराया।

श्यामलाल ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनका उद्देश्य अन्य ट्रक चालकों को रोककर प्रर्दशन में शामिल होने का अनुरोध किया,साथ में किसी को परेशान करना नहीं था, इसलिए कुछ मिनट बाद यातायात सामान्य कर दिया गया। उनका दावा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिलने पर अन्य ट्रक चालक भी मौके पर पहुंचे और घटना के संबंध में अपनी जानकारी साझा की। ट्रक चालक ने तेलंगाना सरकार और पुलिस विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, यदि आरोप सही पाए जाएं तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा सड़क पर कथित अवैध वसूली को तत्काल रोकने की मांग की है।

यह समाचार सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो तथा ट्रक चालक श्यामलाल द्वारा सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोपों पर आधारित है। संबंधित विभाग की ओर से इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या खंडन अभी तक सामने नहीं आया है। जांच के निष्कर्ष आने के बाद ही तथ्यों की अंतिम पुष्टि हो सकेगी।

**मुसारामबाग स्थित विहारी स्टुडीयो मे लव फॉर फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक शाम गौमाता के नाम कार्यक्रम मे गायक जी. बी. शारदा व पी. आर. चंद्रशेखर आदि कलाकारो का अभिनंदन करते हुए चेयरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीदार, जसराज श्रीश्रीमाल, तरूण महेता ।**

## डीसीए ने मेडिकल एजेंसी से 113 गर्भपात किट का अवैध स्टॉक किया जब्त

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लभ ब्यूरो)।** तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने नलगोंडा स्थित एक थोक मेडिकल दुकान पर छापेमारी कर 47,672 रुपये मूल्य की 113 गर्भपात किट जब्त कीं। आरोप है कि दुकान में ये दवाएं वैध खरीद बिल के बिना रखी गई थीं।

डीसीए के अधिकारियों ने पुख्ता जानकारी के आधार पर बुधवार को प्रकाशम बाजार के महावीर मेडिकल मार्केट में स्थित श्री लक्ष्मी मेडिकल एजेंसीज पर छापा मारा। पी. सुधाकर द्वारा चलाई जा रही इस फर्म में सेफ-टी किट (एमटीपी किट) का स्टॉक पाया गया, जिसमें मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल शामिल थे। यह औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 का उल्लंघन था।

डीसीए ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि एमटीपी किट का इस्तेमाल केवल तय शर्तों और सख्त मेडिकल निगरानी में ही किया जाना चाहिए। साथ ही चेतावनी दी कि गलत तरीके से या बिना निगरानी के इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं, जैसे बहुत अधिक रक्तश्राव, संक्रमण, अधूरा गर्भपात और जान का खतरा।

सहायक निदेशक वी. रवि कुमार और औषधि निरीक्षक सीएच. संपत कुमार ने छापेमारी की और जांच के नमूने लिए। डीसीए ने कहा कि जांच जारी है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के तहत एमटीपी किट की अवैध खरीद-बिक्री पर दो साल तक की जेल हो सकती है।

## बंडी संजय ने तेलंगाना की पंचायतों में सरकारी धन के गलत इस्तेमाल की जांच की मांग की

**हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने तेलंगाना की पंचायतों में सरकारी धन का गलत इस्तेमाल किए जाने को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। श्री कुमार ने केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) और तेलंगाना की पंचायती राज मंत्री धनश्री सीताक्का को लिखे अलग-अलग पत्रों में वित्त आयोग के धन के इस्तेमाल में अनियमितताओं पर चिंता जताते हुए कई सरपंचों की उन शिकायतों का दावा किया, जिनमें अधिकारियों द्वारा उन पर केंद्र के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए धन खर्च करने का दबाव था।

केंद्रीय मंत्री ने ऐसे मामलों के सबूत भी साथ लगाए जिनमें कुछ ग्राम पंचायतों में वित्त आयोग के धन का इस्तेमाल तय नियमों के खिलाफ किया गया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के उल्लंघन पंचायतों की वित्तीय स्वायत्तता को कमजोर करते हैं और ग्रामीण विकास पर बुरा असर डाल सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंचायती राज व्यवस्था जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की नींव है।

श्री कुमार ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों से तुरंत दखल देने, सरपंचों की शिकायतों की जांच करने, दिए गए सबूतों की पुष्टि करने और सच्चाई का पता लगाने के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने का आग्रह किया। गौरतलब है कि यह ताजा पत्र ऐसे समय में आया है जब श्री कुमार ने केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के सामने इसी तरह के आरोप लगाए थे। उन दावों के बाद तेलंगाना की पंचायती राज और ग्रामीण रोजगार आयुक्त दिव्या देवराजन ने एक बयान जारी कर इन आरोपों को खारिज किया था और कहा था कि केंद्रीय मंत्री द्वारा किए गए दावे तथ्यात्मक नहीं थे।

## तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एटीए के 19वें सम्मेलन के लिए अमेरिका रवाना

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव गुरुवार को अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (एटीए) में शिरकत करने के लिए अमेरिका रवाना हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री राव अमेरिका के मैरीलैंड के बाल्टीमोर में 31 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित होने वाले एटीए के 19वें सम्मेलन और युवा अधिवेशन में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे।

श्री राव अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन के निमंत्रण पर बतौर एक विशिष्ट अतिथि इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में शिरकत कर रहे हैं। एटीए के अध्यक्ष जयंत (जे) चल्ला और संयोजक श्रीधर बनाला द्वारा जारी निमंत्रण में इस सम्मेलन को तेलुगु पेशेवरों, उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और युवाओं का एक प्रमुख वैश्विक जमावड़ा बताया गया है।

सम्मेलन में मुख्य रूप से पूर्ण अधिवेशन, प्रौद्योगिकी और नवाचार पैनल, युवा नेतृत्व कार्यशालाएं और नेटवर्किंग कार्यक्रम होंगे। इनका मकसद तेलुगु समुदाय और तेलंगाना में विकास की पहलों जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, डिजिटल सेवाएं और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

## जैन समाज की मांगों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

**विजयवाड़ा, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा आंध्र प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री पी.वी.एन. माधव से शिष्टाचार भेंट कर जैन समुदाय से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आंध्र प्रदेश राज्य अल्पसंख्यक आयोग के तत्काल गठन और जैन समाज के प्रतिनिधि को आयोग में शामिल करने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने आंध्र प्रदेश जैन वेलफेयर एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के शीघ्र गठन की भी मांग की, ताकि शिक्षा, स्वर-ोजगार, कौशल विकास, छात्रवृत्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जैन समाज के विद्यार्थियों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंच सके।

श्री माधव ने जैन समाज की मांगों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार के समक्ष प्रभावी प्रस्तुतिकरण और समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार से अपेक्षा जताई कि जैन समाज की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कदम उठाए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.